जुलाई 2026, अंक - 18

विक्रम

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद
Physical Research Laboratory, Ahmedabad

पीआरएल में आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

निदेशक की कलम से

विक्रम पत्रिका का नवीनतम अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। हमारा निरंतर यही प्रयास है कि पीआरएल की विक्रम पत्रिका रुचिपूर्ण होने के साथ-साथ कार्यालय संबंधी जानकारी एवं राजभाषा गतिविधियों से पूर्णतया सुसज्जित हो। पीआरएल में अत्यंत गरिमापूर्ण रूप से 26 जनवरी 2026 को भारत का 77वां गणतंत्र दिवस उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इस दिन पीआरएल में सभी कर्मचारियों, उनके परिवारजनों एवं बच्चों के साथ यह समारोह मनाया गया और वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं राजभाषा सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। 29-30 जनवरी 2026 के दौरान चतुर्थ अंतरिक्ष जलवायु संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश भर के विशिष्ट वैज्ञानिकों ने प्रतिभागिता की। हमारे कार्यालय में 30 जनवरी 2026 को वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के अमर बलिदानियों की याद में शहीद दिवस मनाया गया। राष्ट्र के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को याद कर हम सभी ने देश सेवा और कर्तव्यनिष्ठा का संकल्प लिया।

हमारे कार्यालय में फ़रवरी 2026 के दौरान 'स्वच्छता पखवाड़ा' अत्यंत उत्साह और सक्रियता के साथ मनाया गया। स्वच्छता अभियान में सभी कर्मचारियों द्वारा मिलकर कार्यस्थल की गहन साफ़-सफ़ाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। इस सराहनीय पहल ने न केवल हमारे कार्यालय परिसर को स्वच्छ बनाया, बल्कि हमें दैनिक जीवन में भी स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सफाई कर्मचारियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच भी की गई। 2-4 फरवरी 2026 के दौरान न्यूट्रिनो भौतिकी पर चौथी विक्रम चर्चा आयोजित की गई जो सैद्धांतिक भौतिकी प्रभाग का एक प्रमुख विषय है। फरवरी 10-13, 2026 के दौरान हमारे उदयपुर परिसर का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया गया एवं इस अवसर पर सौर विज्ञान से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। हमारे कार्यालय में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' 21 फरवरी 2026 को अत्यंत उत्साह और नवीनता के साथ मनाया गया एवं पूरे गुजरात से 11वीं कक्षा के विज्ञान विषय के चयनित विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान पीआरएल की ओर से अरुणालाल छात्रवृत्ति पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा की गई। विज्ञान को बढ़ावा देने एवं बच्चों के मन में अंतरिक्ष के प्रति उत्सुकता बढ़ाने के लिए, भारतीय वायु सेना के पायलट और इसरो के गगनयान कार्यक्रम के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री एयर कमोडोर प्रशांत बालकृष्णन नायर का पीआरएल में आमंत्रित व्याख्यान एवं परिचर्चा आयोजित की गई। 16 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया एवं विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान के विषय पर विभिन्न महिला वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिया गया।

हमारे कार्यालय में 14 अप्रैल को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हम सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर बाबासाहेब के महान विचारों और योगदान को याद किया। कार्यालय में 14-20 अप्रैल 2026 के दौरान 'अग्नि शमन सेवा सप्ताह-2026' अत्यंत सतर्कता और जोश के साथ मनाया गया। इस दौरान कर्मचारियों को आग से बचाव के तरीकों और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। पीआरएल ने उत्तर-पूर्वी अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी), शिलांग में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी (NSSS-2026) और विज्ञान भवन साइंस सिटी में आयोजित 'स्व-रक्षा महोत्सव 2026' में भाग लिया व इस दौरान पीआरएल की प्रदर्शनी में उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को दर्शाया गया। इन प्रदर्शनियों में 800 से ज्यादा अभ्यागत आए। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर सभी कर्मचारियों ने मिलकर वृक्षारोपण किया। इस आयोजन ने हम सभी को प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की याद दिलाई। 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगगुरु के मार्गदर्शन में कर्मचारियों ने सामूहिक योग सत्र में विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में पीआरएल चिकित्सालय द्वारा 11 जून 2026 को आयोजित रक्तदान अभियान में निस्वार्थ भाव से पीआरएल के 60 कार्मिकों ने रक्तदान किया और भविष्य में भी इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। पीआरएल में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का नियमित आयोजन किया जाता है, जिससे सभी कर्मचारी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। विश्व हिंदी दिवस पर वंदे मातरम-प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था। पीआरएल की ओर से राजभाषा क्षेत्र के कार्मिकों द्वारा इंदौर में 20 जनवरी 2026 को संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में प्रतिनिधित्व किया गया। पीआरएल में संविदा कर्मचारियों के लिए राजभाषा 04 मई 2026 को राजभाषा-शब्दों का सफर नाम से प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

कर्मचारियों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, क्रिकेट, ब्रिज, फुटबॉल आदि जैसे ऊर्जावान और बौद्धिक खेल आयोजित किए गए। विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा मासिक व्याख्यान श्रृंखला "पीआरएल का अमृत व्याख्यान" एवं राजभाषा व्याख्यानमाला "पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान-पर्व" अत्यंत लोकप्रिय है। कंप्यूटर नेटवर्किंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआइटी) प्रभाग द्वारा नियमित प्रशिक्षण "सीएनआइटी नुक्कड़ चाय पे बाइट" के माध्यम से भी दिया जाता है। पीआरएल के कार्मिकों को राजभाषा के विभिन्न मंचों पर सराहा एवं पुरस्कृत किया गया है: अहमदाबाद द्वारा आयोजित नराकास स्तरीय हिंदी शब्द प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में "प्रथम पुरस्कार" , यू आर राव उपग्रह केंद्र, बेंगलूरु द्वारा 05-06 फरवरी 2026 के दौरान आयोजित अखिल भारतीय हिंदी तकनीकी सम्मेलन के राजभाषा सत्र में "सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार" इत्यादि। राजभाषा की बैठकें नियमित अंतराल पर आयोजित की जाती हैं एवं संपूर्ण कार्यान्वयन एवं प्रचार-प्रसार पर गहन चर्चा की जाती है। समय-समय पर पीआरएल के सभी सदस्यों के साथ प्रशासनिक बैठकें एवं समीक्षा आयोजित की जाती हैं एवं उनमें भी चर्चा का माध्यम हिंदी भाषा रहती है।

आशा है पीआरएल की वैज्ञानिक गतिविधियों की जानकारी के साथ-साथ साहित्यिक विषयों एवं विधाओं, कविताओं, एवं राजभाषा संबंधी विभिन्न विषयों से सुसज्जित विक्रम पत्रिका का 18वां अंक आप सभी के लिए रुचिपरक एवं ज्ञानवर्धक रहेगा।

संपादक मंडल को उनके प्रयासों के लिए हार्दिक शुभकामना देते हुए, मैं विक्रम पत्रिका का यह अंक आप सभी को सप्रेम भेंट करता हूँ!

अनिल भारद्वाज

अनिल भारद्वाज

संपादकीय

सोम कुमार शर्मा

नमस्कार पाठक गण

हिंदी साहित्य के छायावाद युग के महान कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' हिंदी भाषा को एक जीवंत, सक्षम और गतिशील माध्यम के रूप में देखना चाहते थे।

इसी स्रोत को दिशा प्रदान करने के लिए हिंदी भाषा को और सशक्त एवं सरल बनाने की ओर हमें इसके प्रचार-प्रसार के प्रति सजग होना होगा और संपूर्ण जनगण को अपने विचार प्रकट करने का मंच प्रदान करना होगा। यह विक्रम पत्रिका हमारी इसी साझा यात्रा, हमारी छोटी-बड़ी उपलब्धियों और हमारी अटूट एकजुटता का एक सुंदर और जीवंत प्रतिबिंब है। विक्रम पत्रिका का यह नवीनतम अंक इसके सभी पाठकों को समर्पित है। समय के साथ-साथ यह पत्रिका लेखकों के विचार प्रकट करने का एक सहजतम माध्यम बन चुका है। यह पत्रिका पी.आर.एल. सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के विचार और लेखन का भी उन्मुक्त हृदय से आह्वान करती है। विक्रम पत्रिका के माध्यम से हमें अपने सहकर्मियों के भीतर छिपी हुई विविध प्रतिभाओं को जानने और समझने का एक अनूठा अवसर मिलता है।

इसमें कार्यालय के प्रायः सभी कार्यक्रमों की झलकियां दी जाती हैं जिससे हम अपनी धरोहर एवं संस्कृति दूसरे कार्यालयों के साथ साझा करते हैं। इस अंक में शामिल कहानियाँ, कविताएँ, वैज्ञानिक और तकनीकी लेख दर्शाते हैं कि हमारा पी.आर.एल. परिवार रचनात्मकता का भी एक समृद्ध भंडार है। मैं उन सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त समय में से कुछ पल निकालकर अपने बहुमूल्य विचार हमारे साथ साझा किए हैं। साथ ही, हमारी संपादकीय टीम भी विशेष बधाई की पात्र हैं, जिसने इस अंक को इतना आकर्षक, सूचनाप्रद और विचारोत्तेजक बनाने के लिए मेहनत की है।

आपको यह अंक कैसा लगा, इस बारे में अपने बहुमूल्य सुझाव और प्रतिक्रियाएं हमें अवश्य भेजें। आपकी प्रतिक्रिया ही हमें भविष्य के अंकों को और अधिक रुचिपरक एवं प्रासंगिक बनाने की प्रेरणा देगी।

धन्यवाद!!

भवदीय

प्रो. सोम कुमार शर्मा

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विक्रम पत्रिका संपादन समिति

विक्रम संपादकीय मंडल

संरक्षक
डॉ. अनिल भारद्वाज

संपादक
डॉ. सोम कुमार शर्मा

सह संपादक
श्री जिगर ए. रावल

सदस्य
डॉ. भूषित वैष्णव

सदस्य
डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा

सदस्य
श्रीमती रुमकी दत्ता

सदस्य
डॉ. नरेन्द्र ओझा

सदस्य
श्री तेजस सरवैया

सदस्य
डॉ. गिरजेश आर. गुप्ता

सदस्य
श्री विवेक कुमार मिश्रा

सदस्य
श्रीमती प्रीति पोद्दार

सदस्य
श्री आशीष जी सवडकर

सहयोजित सदस्य
श्री अभिषेक

सहयोजित सदस्य
श्रीमती हर्षाबेन परमार

सहयोजित सदस्य
सुश्री सोनम जीतरवाल

सहयोजित सदस्य
श्री सौरभ गोयल

सहयोजित सदस्य
श्री अरुण

अनुत्तरदायित्वता: पी.आर.एल. द्वारा प्रकाशित विक्रम पत्रिका के लेख, वक्तव्य, विचार एवं प्रस्तुत सामग्री लेखकों द्वारा प्रदान की गई है और इन सभी की वैधता एवं सत्त्वाधिकार (कॉपीराइट) से संबंधित वैधिक एवं अन्य उत्तरदायित्व लेखकों का है। किसी भी प्रकार के विवाद या वैधिक स्थिति के उल्लंघन में पी.आर.एल. एवं संपादक मंडल उत्तरदायी नहीं होंगे।

आप इस पत्रिका में मुद्रित सामग्री का उपयोग कर सकते हैं। कृपया सौजन्य का उल्लेख अवश्य करें।

पीआरएल का प्रतीक चिह्न

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला

PHYSICAL RESEARCH LABORATORY

पीआरएल के
अनुसंधान क्षेत्र में समाविष्ट हैं
पृथ्वी एवं सूर्य
जो निमीलित हैं
चुम्बकीय क्षेत्र एवं विकिरण में
अनंत से अनंत तक
जिन्हें प्रकट कर सकती है
मानव की जिज्ञासा एवं
विचार शक्ति

PRL research
encompasses
the Earth, the Sun
Immersed in the fields
and radiations
reaching from and to infinity,
all that man’s curiosity
and intellect can reveal

इस अंक में

क्रमांक	विषय सूची	लेखक/ सौजन्य	पेज संख्या
1	इंदौर (मध्यप्रदेश) संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन की रिपोर्ट	हिंदी अनुभाग	1
2	पिछले अंक में छपे वर्ग पहेली का उत्तर	-	2
3	पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह - 26 जनवरी 2026	श्रीमती हर्षा परमार	3
4	सहायक प्रणाली प्रशिक्षण सत्र – PRL PASS परियोजना कार्यकारी सारांश रिपोर्ट	श्री तेजस सरवैया	4-6
5	कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग सिनर्जी फॉर इफेक्टिव टेक्नोलॉजी यूटिलाइजेशन (SETU) – 2026	श्री जिगर रावल	7-10
6	23वां एनएसएसएस 2026 उत्तर-पूर्वी सैक, उमियम, शिलांग, मेघालय	-	11-12
7	स्वच्छता पखवाड़ा – 2026	श्रीमती हर्षा परमार	13-14
8	अग्निशमन सेवा सप्ताह–2026	श्रीमती हर्षा परमार	15-16
9	चंद्रयान-3 के "पोस्ट-हॉप" ChaSTE अवलोकनों से चंद्र दक्षिणी ध्रुव के रेगोलिथ की विषमता का खुलासा - भविष्य के चंद्र अन्वेषण के लिए निहितार्थ	डॉ. कर्णम दुर्गा प्रसाद	17-19
10	हिंदी कार्यशाला- अप्रैल-जून 2026 तिमाही	हिंदी अनुभाग	20
11	पीआरएल क्रिकेट लीग (पीसीएल) 2026 – संक्षिप्त रिपोर्ट	-	21
12	हिंदी कार्यशाला- जनवरी-मार्च 2026 तिमाही	हिंदी अनुभाग	22
13	राजभाषा शब्दों का सफर प्रतियोगिता 2026	श्रीमती हर्षा परमार	23-24
14	साइंस सिटी अहमदाबाद में साइंस कार्निवल 2026 में पीआरएल की भागीदारी	डॉ. नवीन चौहान और डॉ. राजेश कुशवाहा	25-26
15	हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2026-27 वार्षिक कार्यक्रम के कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य: क्षेत्र “क” के लिए	-	27-28
16	हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2026-27 वार्षिक कार्यक्रम के कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य: क्षेत्र “ख” के लिए	-	29-30
17	विश्व हिंदी दिवस 2026 पर ‘वंदे मातरम्-राष्ट्रीय अभिव्यक्ति हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता’	हिंदी अनुभाग	31
18	पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 64वीं बैठक	हिंदी अनुभाग	32-33
19	पीआरएल में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का उत्सव	-	34
20	झील की गहरायी - नज़्म	-	35
21	ग्रहों पर विद्युत् तड़ित के अनुकरण हेतु तड़ित अभिलक्षणन एवं पहचान के लिए प्रणाली एवं विधि	प्रो. जयेश पाबारी	36-41
22	स्वच्छता पखवाड़ा 2026, माउंट आबू वेधशाला	-	42

23	आंतरिक शिकायत समिति की बैठक	श्री अभिषेक प्रसाद	43
24	गणतंत्र दिवस उत्सव 2026, माउंट आबू वेधशाला (पीआरएल)	-	44
25	स्वरक्षा महोत्सव 2026, विज्ञान भवन, साइंस सिटी, अहमदाबाद में पीआरएल का अनुसंधान और नवाचार प्रदर्शन	-	45-46
26	उदयपुर सौर वेधशाला में विश्व हिंदी दिवस 2026	श्री अभिषेक उपाध्याय	47
27	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला: खगोलीय ओपन नाइट, माउंट आबू वेधशाला	-	48-50
28	प्राइम (PRIME): अनुसंधान सूचना प्रबंधन के लिए एक एकीकृत प्रणाली	डॉ. मोहम्मद नुरुल आलम	51
29	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 महोत्सव	श्रीमती हर्षा परमार	52
30	अंबेडकर जयंती समारोह	श्री सुनील डी. हंसराजाणी	53
31	अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अवसर पर तृतीय वर्कशॉप (एसडब्ल्यूएसओ-3) और चतुर्थ भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन (आईएसडब्ल्यूसी-4)	-	54
32	पीआरएल वार्षिक ब्रिज टूर्नामेंट 2025-26	-	54
33	न्यूट्रिनो फ़िज़िक्स पर चतुर्थ विक्रम चर्चा	-	55
34	यूएसओ स्वर्ण जयंती सम्मेलन	-	56
35	विश्व रक्तदाता दिवस समारोह 2026: "इंसानियत की एक बूँद। रक्तदान करें। जीवन बचाएँ।"	श्री दिव्यांग जी अड्यालंकर	57
36	चंद्रमा के सबसे अंधेरे गड्ढों में छिपी बर्फ की खोज: चंद्रयान-2 रडार से मिले नए संकेत	-	58-61
37	स्वदेशी क्वांटम प्रौद्योगिकी: जोनाकी और समय स्वदेशी नवाचार के माध्यम से भारत के क्वांटम भविष्य को आगे बढ़ाना	प्रो. गौतम कुमार सामंता	62-64
38	उदयपुर सौर वेधशाला/ पीआरएल, उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन	श्री अभिषेक	65-67
39	पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 65वीं बैठक	हिंदी अनुभाग	68-69
40	भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन	नवीन चौहान और विक्रम गोयल	70-72
41	स्वच्छता पखवाड़ा – 2026, उदयपुर सौर वेधशाला/ पीआरएल	-	73-76
42	पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)	श्रीमती हर्षा परमार	77
43	पीआरएल का अमृत व्याख्यान	श्रीमती हर्षा परमार	78
44	विक्रम पत्रिका अगस्त 2025 पुरस्कृत लेख	श्री सेंथिल बाबू टी. जे.	79
45	विक्रम पत्रिका जनवरी 2026 पुरस्कृत लेख	-	80
46	पाठकों की कलम से	-	81-83
47	कर्मचारियों का कार्यग्रहण/कार्यमुक्ति विवरण	श्री सेंथिल बाबू टी. जे.	84

इंदौर (मध्यप्रदेश) संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन की रिपोर्ट

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

दिनांक 20.01.2026 को इंदौर (मध्यप्रदेश) में संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन का स्थल देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम, तक्षशिला केंपस, खंडवा रोड, भंवर कुवा, इंदौर (मध्यप्रदेश) था। सम्मेलन की अध्यक्षता माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार जी ने की। यह मध्य, पश्चिम, दक्षिण और दक्षिण पश्चिम क्षेत्रों का संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन था।

उक्त सम्मेलन के लिए राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े सभी कार्मिकों और राजभाषा का काम देख रहे अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को भी आमंत्रित किया गया था।

राजभाषा के प्रोत्साहन को ध्यान में रखते हुए पीआरएल से उक्त सम्मेलन के लिए निम्नानुसार सदस्य नामित किए गए थे-

1. श्री प्रदीप कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
2. श्री अभिषेक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, यूएसओ
3. श्रीमती रुमकी दत्ता, उप निदेशक (रा.भा.)
4. श्री सौरभ गोयल, सहायक (रा.भा.)

इस सम्मेलन में हिंदी के सांस्कृतिक महत्व, दक्षिण भारत में हिंदी की स्वीकार्यता, एआई युग में हिंदी की उपयोगिता, अनुवाद कार्य में तकनीकी सहयोग, नराकास की भूमिका तथा राजभाषा रिपोर्टिंग पर विचार-विमर्श हुआ। यह सम्मेलन हिंदी भाषा के संवर्धन, प्रसार एवं प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

सम्मेलन स्थल पर पीआरएल सदस्यगण

पिछले अंक में छपे वर्ग पहेली का उत्तर

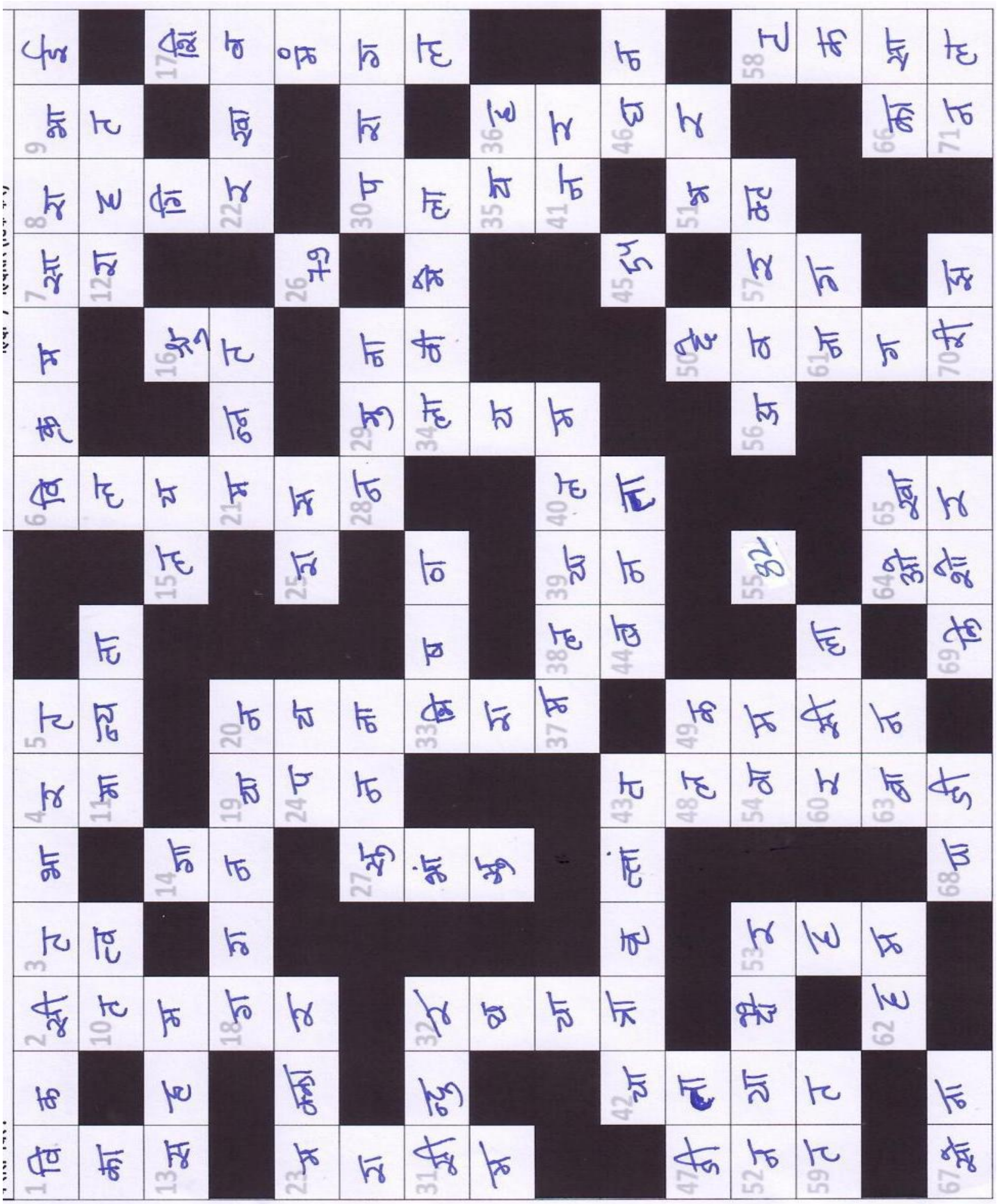

पीआरएल में गणतंत्र दिवस समारोह - 26 जनवरी 2026

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

गणतंत्र दिवस भारत के संविधान को अपनाने का प्रतीक है। यह राष्ट्रीय गौरव का दिन है। सोमवार, 26 जनवरी, 2026 को पीआरएल थलतेज परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। पीआरएल के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक , पीआरएल ने अपने संबोधन में वर्ष के दौरान पीआरएल की विभिन्न, गतिविधियों, उपलब्धियों, एवं प्राप्त सम्मान आदि के बारे में जानकारी दी।

राष्ट्र गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी ने वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया। प्रचलित प्रथा के अनुसार, सीआईएसएफ को 3 (तीन) योग्यता पुरस्कार दिए गए। इसके बाद वर्ष 2025 में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले पीआरएल स्टाफ के बच्चों को सम्मानित किया गया। विभिन्न आयोजनों के लिए पुरस्कार वितरण किया गया जैसे कि: सतर्कता जागरूकता सप्ताह के लिए निबंध प्रतियोगिता, विश्व हिंदी दिवस के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और आंतरिक शिकायत समिति-पीआरएल द्वारा आयोजित हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, बच्चों और पीआरएल परिवार के सदस्यों द्वारा तिरंगे गुब्बारे छोड़े गए। नए शामिल हुए पीआरएल सदस्यों और अन्य पीआरएल सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के बाद ग्रहीय विज्ञान डिवीजन (PSDN) और भू-विज्ञान डिवीजन (GSDN) के बीच फुटबॉल फाइनल खेला गया। यह मैच सभी ने देखा और यह एक रोमांचक, हाई-एनर्जी फुटबॉल मुकाबला साबित हुआ। टीम PSDN चैंपियन बनी, जबकि टीम GSDN रनर-अप रही।

कार्यक्रम की झलकियाँ

सहायक प्रणाली प्रशिक्षण सत्र – PRL PASS परियोजना
कार्यकारी सारांश रिपोर्ट

सौजन्य: श्री तेजस सरवैया

सारांश

भौ.अ.प्र. PASS परियोजना के अंतर्गत एक सहायक प्रणाली प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सी.एन.आइ.टी. एवं सी.एम.जी. टीम के सदस्यों को PASS आर्काइवल स्टोरेज सिस्टम को समर्थन देने वाली महत्वपूर्ण विद्युत एवं पावर अवसंरचना की डिजाइन, संचालन तथा रिडंडेंसी पहलुओं से परिचित कराना था। यह सत्र भौ.अ.प्र.. के थलतेज डेटा सेंटर/आपदा पुनर्प्राप्ति स्थल में दीर्घकालिक वैज्ञानिक डेटा संरक्षण हेतु उच्च उपलब्धता, संचालन की निरंतरता तथा सहायक प्रणालियों के सुरक्षित संचालन पर केंद्रित था।

प्रशिक्षण की विषय-वस्तु

प्रशिक्षण में निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रणाली (UPS), डीज़ल जनरेटर (DG) सेट, ऑटोमैटिक ट्रांसफर स्विच (ATS), ऑटोमैटिक मेन्स फेल्योर (AMF) पैनल, विद्युत वितरण, कूलिंग सिस्टम हेतु सतत विद्युत आपूर्ति तथा अर्थिंग सिस्टम जैसी प्रमुख सहायक प्रणालियों की अवधारणाओं, विशेषताओं एवं परिचालन प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया। सिस्टम रिडंडेंसी, स्वचालित फेलओवर तंत्र, मॉनिटरिंग इंटरफेस तथा रखरखाव की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य प्रस्तुतियाँ एवं योगदानकर्ता

- श्री रविंद्रन एम (एपकॉम इन्फोटेक / Appcom Infotech) ने PASS परियोजना एवं सहायक प्रणालियों का समग्र परिचय प्रस्तुत किया।
- श्री धरमवीर सिंह (श्नाइडर इलेक्ट्रिक / Schneider Electric) ने 48 kVA Schneider APC Symmetra PX UPS प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें मॉड्यूलर डिज़ाइन, बैटरी विन्यास, यूज़र इंटरफेस तथा सहायक संचालन प्रक्रिया रखरखाव शामिल था।
- श्री पार्थ सथवारा (सुधीर कमिंस / Sudhir Cummins) ने 160 kVA DG सेट के कार्य सिद्धांत, स्वचालित स्टार्ट/स्टॉप लॉजिक एवं अनुपालन विशेषताओं की जानकारी दी।
- श्री तुषार मेहता (वोल्टेक इंजीनियर्स / Voltech Engineers) ने संपूर्ण विद्युत व्यवस्था, AMF/ATS पैनल संरचना, विद्युत वितरण तथा मौजूदा अवसंरचना के साथ इसके एकीकरण पर विस्तार से प्रकाश डाला।

परिणाम एवं महत्व

इस प्रशिक्षण सत्र से प्रतिभागियों को यह समझने में सहायता मिली कि ड्यूअल विद्युत स्रोत, मॉड्यूलर UPS संरचना, स्वचालित स्विचिंग एवं सुदृढ़ विद्युत डिज़ाइन के माध्यम से PASS डेटा सेंटर के लिए निर्बाध एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जाती है। यह प्रशिक्षण भौ.अ.प्र. टीमों की परिचालन तत्परता को

सुदृढ़ करता है तथा संस्थान के सतत, सुरक्षित एवं दीर्घकालिक आर्काइवल स्टोरेज सेवाओं के उद्देश्य का समर्थन करता है। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षण के दौरान ऑन-साइट लाइव प्रदर्शन एवं फेलओवर परीक्षण भी किया गया, जिसमें पुरानी एवं नई दोनों DG सेटों के लिए रॉ टोरेंट पावर सप्लाई को बंद कर परीक्षण किया गया। यह परीक्षण सफल रहा तथा PASS की समस्त प्रणालियों/घटकों के लिए सामान्य सेवा निरंतरता सुनिश्चित पाई गई।

निष्कर्ष

सहायक प्रणाली प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा अपने निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त किया। इस सत्र के दौरान साझा किया गया ज्ञान, PASS अवसंरचना की दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित करने हेतु भौ.अ.प्र. टीमों के लिए प्रभावी संचालन, निगरानी तथा विक्रेता (सेवा प्रदाता) के साथ बेहतर समन्वय में सहायक सिद्ध होगा।

हम भौ.अ.प्र. के निदेशक, रजिस्ट्रार, डीन, अध्यक्ष – कंप्यूटर समिति, अध्यक्ष एवं सह-अध्यक्ष – साइबर-आइटी सुरक्षा समिति, प्रधान – सी.एम.जी. प्रभाग तथा सभी प्रतिभागियों को उनकी सक्रिय सहभागिता हेतु हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

प्रतिभागियों की सूची

क्रम सं	नाम	पद	विभाग / संगठन
1	श्री विरल परमार	वैज्ञानिक/अभियंता-एस.एफ.	सी.एम.जी
2	श्री अनिल पटेल	वरिष्ठ तकनीकी सहायक-ए	सी.एम.जी
3	श्री शैलेषगिरि गोस्वामी	तकनीशियन-जी	सी.एम.जी
4	श्री प्रियकांत	कॉन्ट्रैक्ट इंजीनियर	सी.एम.जी
5	श्री तेजस एन. सरवैया	वैज्ञानिक/अभियंता- एस.एफ.	सी.एन.आइ.टी.
6	श्री हितेन्द्र मिश्रा	वैज्ञानिक/अभियंता-एस.इ.	सी.एन.आइ.टी.
7	श्री आलोक श्रीवास्तव	वैज्ञानिक/अभियंता-एस.इ.	सी.एन.आइ.टी.
8	श्री राहुल शर्मा	वैज्ञानिक/अभियंता-एस.डी.	सी.एन.आइ.टी.
9	श्री प्रशांत जांगिड	वैज्ञानिक/अभियंता- एस.डी.	सी.एन.आइ.टी.
10	श्रीमती सृष्टि शर्मा	वैज्ञानिक/अभियंता- एस.डी.	सी.एन.आइ.टी.
11	श्री वैभव वरीश सिंह राठौड़	वैज्ञानिक/अभियंता- एस.डी.	सी.एन.आइ.टी.
12	श्री देवर्षि ब्रह्मभट्ट	कंप्यूटर ऑपरेटर ट्रेनी	सी.एन.आइ.टी.
13	श्री योगेश संजयभाई राणा	कंप्यूटर ऑपरेटर ट्रेनी	सी.एन.आइ.टी.
14	श्री रवीन्द्रन एम	आपूर्तिकर्ता अभियंता	एपकॉम इन्फोटेक / Appcom Infotech

15	श्री धरमवीर सिंह	आपूर्तिकर्ता अभियंता	श्नाइडर इलेक्ट्रिक / Schneider Electric
16	श्री पार्थ सथवारा	आपूर्तिकर्ता अभियंता	सुधीर कमिंस / Sudhir Cummins
17	श्री तुषार मेहता	आपूर्तिकर्ता अभियंता	वोल्टेक इंजीनियर्स / Voltech Engineers

शिक्षण कार्यक्रम एवं डेटा सेंटर भ्रमण की झलकियाँ

कंप्यूटर नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी (सीएनआईटी) प्रभाग सिनर्जी फॉर इफेक्टिव टेक्नोलॉजी यूटिलाइजेशन (SETU) – 2026

सौजन्य: श्री जिगर रावल

सीएनआइटी प्रभाग ने 02 जनवरी, 2026 को सुबह 09:30 से 11:30 बजे तक हाइब्रिड मोड में “सिनर्जी फॉर इफेक्टिव टेक्नोलॉजी यूटिलाइजेशन (SETU) 2026” शीर्षक एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस सत्र में लगभग 65 लोगों ने भाग लिया, जिसमें 70% चर्चा हिंदी में और 30% अंग्रेज़ी में हुई।

श्रीमती सृष्टि शर्मा ने उपस्थित सभी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और सत्र का पूर्णावलोकन दिया, जिसमें उन्होंने आइटी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सीएनआइटी प्रभाग और पीआरएल परिवार के बीच मज़बूत संबंध बनाने में इस पहल की भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम पीआरएल की नव विकसित वेबसाइट का उद्‌घाटन करने, नई आइटी सेवाओं के आरंभ की घोषणा करने और प्रतिभागियों के बीच सार्थक ज्ञान आदान-प्रदान के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।

कंप्यूटर समिति के अध्यक्ष डॉ. वरुण ने सीएनआइटी प्रभाग की शुरुआत को याद करते हुए सत्र आरंभ किया, जो एक कंप्यूटर सेंटर के रूप में शुरू हुआ था। शुरुआती सालों में, यह सुविधा IBM RS/6000 सिस्टम पर निर्भर थी, जो हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग में संस्थान का पहला कदम था। अपनी अनौपचारिक संरचना के साथ, इस सेंटर ने संकाय, शोधकर्ता और छात्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया, जिससे नवाचार की संभावना के लिए स्पष्टता का माहौल बना। साझा खोज की इस भावना ने सीएनआइटी को कम्प्यूटेशनल अनुसंधान और तकनीकी प्रगति के लिए केंद्र के तौर पर स्थापित किया। फिर उन्होंने सीएनआइटी की शानदार HPC यात्रा पर प्रकाश डाला, जो RS/6000 वर्कस्टेशन से शुरू होकर आज के अत्याधुनिक 1 पेटाफ्लॉप सिस्टम तक पहुँची

है। प्रत्येक महत्वपूर्ण प्रगति या बदलाव ने शुरुआती क्लस्टर से लेकर बड़े स्केल पर पैरेलल आर्किटेक्चर तक रिसर्च और खोज के दायरे को बढ़ाया है। डॉ. वरुण ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सीएनआइटी द्वारा ओपन-सोर्स टेक्नोलॉजी को नीतिक रूप से अपनाना इस प्रगति के लिए बहुत ज़रूरी रहा है, जिससे लंबे समय तक विश्वसनीयता, नमनीयता और स्थिरता सुनिश्चित हुई है। एडवांस्ड हार्डवेयर को ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर के साथ मिलाकर, सीएनआइटी ने दृढ़ कंप्यूटेशनल प्रणाली बनाई है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण सफलताओं को लगातार बढ़ावा दे रहा है।

पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज ने नवसंरचित पीआरएल वेबसाइट का उद्घाटन किया, सभागार में मौजूद लोगों का स्वागत किया और आज के तेज़ी से बदलते तकनीकी दौर में डिजिटल सशक्तता के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कंप्यूटेशनल अवसंरचना, सुरक्षित नेटवर्किंग और आइटी-सक्षम सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए सीएनआइटी प्रभाग की प्रशंसा की, और कहा कि ये प्रयास वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए ज़रूरी हैं। उन्होंने वैज्ञानिक ज्ञान को आर्काइव करने के लिए PASS, प्रोएक्टिव साइबर सिक्योरिटी मॉनिटरिंग के लिए SIEM, और चर्चात्मक जागरूकता श्रृंखला "चाय पे बाइट" जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जो यूज़र्स को साइबर खतरों और नई प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी देता है।

प्रो. भारद्वाज ने भविष्य में लिनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम अपनाने के दीर्घावधि विचार पर बल दिया, जिसकी ओपन-सोर्स आधार नमनीयता, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करती है, साथ ही प्रोप्राइटरी अपग्रेड पर निर्भरता कम करती है। उन्होंने ओपन-सोर्स तकनीक के प्रति सीएनआइटी की नीतिक प्रतिबद्धता को स्वीकार किया, जो संधारणीयता, अनुकूलनशीलता और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ावा देती है।

सीएनआइटी प्रभाग द्वारा शुरू की गई नई सेवाओं के शुरूआत के मौके पर, श्री प्रशांत जांगिड़, श्री गिरीश पड़िया, श्री तेजस सरवैया, श्री राहुल शर्मा, श्री अतुल मानके और श्री जिगर रावल ने कई सूचनाप्रद बातें बताईं। उन्होंने प्रभाग की समग्र गतिविधियों, भविष्य की योजनाओं और डिजिटल सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए मुख्य पहलों पर प्रकाश डाला। इन सत्रों में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी जैसे वेब कंटेंट मैनेजमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन, सुरक्षित आर्काइव सिस्टम बनाने और सक्रिय साइबर सुरक्षा उपायों को अपनाने पर ध्यान दिया गया। वक्ताओं ने एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट (APT) जागरूकता कार्यक्रमों के अनुभव भी साझा किए और मॉनिटरिंग के दौरान सामने आए एक असली एपीटी मामले को प्रस्तुत किया, जिसमें पीआरएल के डिजिटल प्रणाली की सुरक्षा में दृश्यता, बहुस्तरीय सुरक्षा, और सक्रिय पहचान के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों/अनुभागों के प्रधान/उप-प्रधान, अध्यक्ष, पीपीईजी, सह-अध्यक्ष, आइटी-साइबर सुरक्षा समिति, पीआरएल और अन्य वरिष्ठ संकाय ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी सत्र बहुत लाभदायक साबित हुए और नई वेबसाइट और कंटेंट मैनेजमेंट और विस्तार में इसके ऑटोमेशन, नई जोड़ी गई सेवाओं – सिक्योरिटी इंफॉर्मेशन एंड इवेंट मैनेजमेंट (SIEM), पीआरएल आर्काइवल स्टोरेज सिस्टम (PASS), बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल सिस्टम (BACS) आदि के बारे में जानकारी दी। सभी उपस्थितों ने बहुमूल्य जानकारी के लिए

हार्दिक आभार प्रकट किया और सीएनआइटी प्रभाग के अनोखी "सीएनआइटी नुक्कड़ – चाय पे बाइट" पहल की सराहना की।

सीएनआइटी प्रभाग की ओर से, श्री आलोक श्रीवास्तव ने पीआरएल के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज को उनके प्रेरणा और मार्गदर्शन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने इस पहल को सफल बनाने में उनके समर्थन और सहयोग के लिए पीआरएल के डीन डॉ. डी. पल्लमराजू, डॉ. वरुण शील, डॉ. बिजय कुमार साहु, डॉ. नमित महाजन और डॉ. षण्मुगम को भी धन्यवाद दिया। श्री आलोक ने सभी उपस्थितों की सक्रिय भागीदारी और बहुमूल्य फीडबैक को भी सराहा, और कहा कि इस तरह के इनपुट सीएनआइटी प्रभाग को आइटी सेवाओं को बेहतर बनाने में लगातार मदद करते हैं। उन्होंने पीआरएल सदस्यों के योगदान की भी तारीफ़ की, जिनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग ने इस कार्यक्रम को जीवंत और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतिभागी और सीएनआइटी प्रभाग के सम्मिलित प्रयासों से यह सत्र सफल रहा, जिससे SETU 2026 के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक दृढ़ नींव रखी गई।

इस कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट सीएनआइटी प्रभाग की इंट्रानेट वेबसाइट यूआरएल पर उपलब्ध है - https://prlwebsite.lan.prl.res.in/prl-eng/cnit/intranet/chaipebyte

सेतु-2026" की झलकियाँ

SETU 2026
Computer Networking and Information Technology (CNIT) Division
New PRL Website & Automation

23वां एनएसएसएस 2026 उत्तर-पूर्वी सैक, उमियम, शिलांग, मेघालय

सारांश

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की टीम ने 23वें नेशनल स्पेस साइंस सिम्पोजियम (एनएसएसएस-2026) में एक चर्चात्मक प्रदर्शिनी बूथ के ज़रिए सक्रिय प्रतिभागिता की जिसमें बहुविषयक अनुसंधान गतिविधियाँ, उन्नत वैज्ञानिक सुविधाएं और शैक्षणिक कार्यक्रमों को दर्शाया गया। इस प्रदर्शनी में मूलभूत और अंतरिक्ष विज्ञान के साथ-साथ भारत के अंतरिक्ष मिशनों के लिए वैज्ञानिक प्रयोगों के विकास में पीआरएल के योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस प्रदर्शनी ने स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ व्यापक वैज्ञानिक समुदाय में अनुसंधान के अवसरों और आउटरीच पहलों को भी बढ़ावा दिया।

पीआरएल बूथ की मुख्य विशेषताएं

आकर्षक पोस्टरों की श्रृंखला ने पीआरएल में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी, ग्रहीय विज्ञान, अंतरिक्ष और वायुमंडलीय विज्ञान, सौर भौतिकी, भू विज्ञान, क्वांटम प्रकाशिकी और क्वांटम सूचना, सैद्धांतिक भौतिकी एवं प्रयोगात्मक और उपकरण-आधारित अनुसंधान सहित कई वैज्ञानिक क्षेत्रों में की गई विविध शोध गतिविधियों को प्रदर्शित किया। इस प्रदर्शनी में मूलभूत विज्ञान को आगे बढ़ाने और अंतरिक्ष और भू-आधारित अवलोकन अध्ययनों में पीआरएल के योगदान दर्शाए गए।

इस प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण पीआरएल के अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं की प्रस्तुतियां थीं। अभ्यागतों को पीआरएल माउंट आबू वेधशाला और उदयपुर सौर वेधशाला जैसी अवलोकनीय सुविधाओं, ग्रहीय और वायुमंडलीय प्रयोगों में उपयोग होने वाले उन्नत प्रयोगशाला संरचना, डिटेक्टर और उपकरण विकास सुविधाओं और उच्च निष्पादन संगणकीय संसाधनों जैसी अवलोकन सुविधाओं से परिचित कराया गया जो विभिन्न अनुसंधान क्षेत्रों में अत्याधुनिक वैज्ञानिक अन्वेषण को सक्षम बनाते हैं।

आउटरीच और विज्ञान संपर्क प्रयासों के भाग के रूप में, टीम ने पीआरएल माउंट आबू वेधशाला, उदयपुर में विभिन्न अवलोकनीय सुविधाओं और विभिन्न प्रयोगशालाओं को प्रदर्शित करने वाले इन-हाउस तैयार लघु वीडियो प्रदर्शित किए। टीम ने यह भी प्रदर्शित किया कि कैसे पीआरएल के वैज्ञानिकों ने एक्सोप्लैनेट (बाह्यग्रह) की खोज और लक्षण वर्णन के लिए इन सुविधाओं का उपयोग किया है, जो सूक्ष्म खगोलीय अवलोकन और ग्रहीय विज्ञान अनुसंधान में भारत की बढ़ती भूमिका पर बल देता है। टीम के सदस्यों ने यह भी प्रदर्शित किया कि कैसे उनके शोधकर्ता, सौर मंडल के प्रारंभिक इतिहास के अन्वेषण के लिए उल्कापिंड संग्रह और प्रयोगशाला विश्लेषण में सक्रिय रूप से शामिल हैं। अतीत और वर्तमान अंतरिक्ष विज्ञान मिशनों के विकास में पीआरएल के योगदान पर चर्चा की गई। विभिन्न प्रयोगात्मक पहलुओं के अतिरिक्त, छात्रों-छात्राओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन शिक्षण अनुप्रयोगों सहित मॉडलिंग और अनुरूपण गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

इस बूथ के माध्यम से पीएच.डी. कार्यक्रम, अनुसंधान प्रशिक्षण के अवसरों और अत्यधिक मांग में रहने वाले ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए एक शैक्षणिक आउटरीच मंच का भी कार्यसाधन हुआ। अभ्यागत छात्रों-छात्राओं के साथ चर्चा ने अनुसंधान के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई और युवा प्रतिभागियों को अंतरिक्ष विज्ञान और मूलभूत अनुसंधान में करियर पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एनएसएसएस की झलकियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा – 2026

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

निदेशक, सीईपीओ द्वारा जारी "स्वच्छता कार्ययोजना 2026" के निर्देशों के अनुसार, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 1 से 15 फरवरी 2026 तक, किया गया।

1. **परिचय:** भारत सरकार के 'स्वच्छ भारत अभियान' के अनुरूप, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का आयोजन विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किया, जिनका उद्देश्य स्वच्छता, सतत विकास एवं संस्थागत उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना था। इस अभियान के अंतर्गत विभागीय कैंटीनों एवं आवासीय कॉलोनियों में सुधार, आसपास के समुदायों में श्रमदान गतिविधियाँ, स्वच्छता ऑडिट तथा स्वच्छता के प्रति प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करने जैसे प्रमुख कार्य शामिल थे।
2. **अवसंरचना स्वच्छता:** व्यापक स्वच्छता उपायों के अंतर्गत जल टंकियों, तालाबों तथा सौर पैनलों की सफाई की गई। इसके अतिरिक्त मुख्य एवं नवरंगपुरा परिसर में नियमित रखरखाव कार्य जैसे कीट नियंत्रण, फॉगिंग तथा फ्यूमिगेशन भी सम्पन्न किए गए।
3. **अपशिष्ट प्रबंधन:** कचरा निपटान प्रणाली को अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पीआरएल को आधिकारिक रूप से "नो प्लास्टिक ज़ोन" घोषित किया गया है तथा सभी सदस्यों से एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णतः समाप्त करने का निरंतर आग्रह किया गया।
4. **स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान:** परिसर के भीतर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाए गए तथा इन्हें आसपास के समुदायों तक भी विस्तारित किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति सक्रिय एवं सहभागितापूर्ण दृष्टिकोण अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।
5. **स्वच्छता शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान:** स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही एक हस्ताक्षर अभियान तथा विशेष सेल्फी पॉइंट की व्यवस्था की गई, जिससे स्वच्छता का संदेश अधिकाधिक लोगों तक पहुँच सके।
6. **संस्थागत प्रतियोगिताएँ:** पर्यावरणीय जागरूकता एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें शामिल हैं:

- **वेस्ट-टू-वेल्थ (कचरे से संपदा):** त्यागी गई वस्तुओं के पुनः उपयोग एवं मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना।
- **ऑनलाइन स्वच्छता प्रश्नोत्तरी:** स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान का परीक्षण।

- **"हमारे परिसर का जीवन" फोटोग्राफी प्रतियोगिता:** पीआरएल परिसर की जैव-विविधता एवं स्वच्छ वातावरण को प्रदर्शित करना।

7. **स्वास्थ्य एवं कल्याण:** अग्रिम पंक्ति के कार्यबल की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, पीआरएल औषधालय द्वारा एक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर विशेष रूप से हाउसकीपिंग, बागवानी एवं अन्य श्रम सेवाओं से जुड़े संविदा कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया, ताकि उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण को संस्थान की प्राथमिकता के रूप में सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर उन्हें डिजिटल थर्मामीटर भी वितरित किए गए।

8. **समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण**

   स्वच्छता पखवाड़े का समापन 19 फरवरी 2026 को किया गया। श्री संजय वैरागड़े, अध्यक्ष, स्वच्छता पखवाड़ा समिति 2026 (SwPC-26), ने पखवाड़े के दौरान आयोजित गतिविधियों की उपलब्धियों एवं उनके प्रभाव का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया।

9. **विशेष 33वाँ PARV व्याख्यान:** पखवाड़े की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं सामाजिक उपलब्धि के रूप में सुश्री अलीना आलम, संस्थापक, MITTI Café, द्वारा 33वें PARV व्याख्यान का आयोजन किया गया।

निष्कर्ष

पीआरएल में आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा 2026 ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को सफलतापूर्वक सुदृढ़ किया। नो प्लास्टिक ज़ोन की स्थापना तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर

विशेष ध्यान संस्थान की एक स्वच्छ, स्वस्थ एवं सतत वैज्ञानिक वातावरण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अग्निशमन सेवा सप्ताह–2026

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह भारत में प्रतिवर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाता है। यह सप्ताह उन वीर अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए समर्पित है, जिन्होंने 14 अप्रैल 1944 को हुई एक दुखद घटना के दौरान अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। यह आयोजन अग्नि सुरक्षा, आपदा-तत्परता तथा आग की रोकथाम संबंधी उपायों के महत्व की याद दिलाता है और सभी क्षेत्रों में इनके प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है। इस अवसर के अनुरूप विभिन्न उद्योग एवं संगठन अग्निशमन सेवा दिवस/सप्ताह के अंतर्गत प्रशिक्षण सत्रों, मॉक ड्रिल तथा आपातकालीन तैयारी अभ्यासों का आयोजन करते हैं, ताकि अग्नि-संबंधी आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जागरूकता और तत्परता बढ़ाई जा सके। अग्निशमन सेवा सप्ताह–2026 के अंतर्गत तथा पीआरएल के सदस्यों को अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से, "अग्नि सुरक्षा एवं रोकथाम" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार, 15 अप्रैल 2026 को पीआरएल मुख्य परिसर में किया गया। इस सत्र का संचालन श्री बिजय बहादुर सिंह यादव, सहायक कमांडेंट (अग्नि), सीआईएसएफ (CISF) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार की आग, उनके कारणों तथा आवश्यक निवारक उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने परिसर में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों (Fire Extinguishers) के बारे में भी बताया तथा आग की श्रेणी के अनुसार उनके उचित उपयोग की जानकारी दी।

सैद्धांतिक सत्र के अतिरिक्त, सीआईएसएफ टीम द्वारा एक व्यावहारिक प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग तथा आग पर प्रभावी नियंत्रण की तकनीकों का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया, जिससे कर्मचारियों एवं संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसी प्रकार की एक गतिविधि 22.04.2026 को थलतेज परिसर में भी आयोजित की गई, जहाँ सीआईएसएफ टीम ने अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया पर केंद्रित एक व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इस सत्र में चरणबद्ध मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास (Hands-on Practice) का अवसर दिया गया, जिससे वे आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करने के प्रति अधिक आत्मविश्वास विकसित कर सकें।

थलतेज परिसर के सभी पीआरएल सदस्यों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। कार्यक्रम में कुल 80 पीआरएल सदस्यों ने भाग लिया। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक, ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा तथा सभी प्रतिभागियों द्वारा इसकी सराहना की गई। इस कार्यक्रम ने अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम की झलकियाँ

चंद्रयान-3 के "पोस्ट-हॉप" ChaSTE अवलोकनों से चंद्र दक्षिणी ध्रुव के रेगोलिथ की विषमता का खुलासा - भविष्य के चंद्र अन्वेषण के लिए निहितार्थ

सौजन्य: डॉ. कर्णम दुर्गा प्रसाद

जब भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने 2023 में इतिहास रचा, तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास इसकी सफल लैंडिंग का जश्न मनाया। लेकिन इसके अलावा, यह मिशन चुपचाप चंद्रमा के सबसे कम खोजे गए/अन्वेषित हिस्सों में से एक के बारे में बहुमूल्य वैज्ञानिक सुराग इकट्ठा कर रहा था। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर दोनों अपने साथ चंद्र सतह और पर्यावरण का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किए गए वैज्ञानिक उपकरणों का समूह ले गए थे। उन्होंने मिलकर उच्च-अक्षांश (high-latitude) और ध्रुवीय क्षेत्रों, जो काफी हद तक अज्ञात हैं, के बारे में नई जानकारी प्रदान की।

विक्रम लैंडर पर मौजूद सबसे दिलचस्प उपकरणों में से एक चंद्राज़ सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट (ChaSTE) था। इस छोटे थर्मल प्रोब ने एक 'चंद्र थर्मामीटर' के रूप में काम किया, जिसमें सतह और सतह के करीब के तापमान का पता लगाने के लिए प्रोब की परिधि के साथ दस तापमान सेंसर लगे थे। चंद्र मिट्टी में धीरे-धीरे प्रवेश करके, इसने सतह से लेकर जमीन के लगभग 10 सेंटीमीटर नीचे तक के तापमान को मापा। 10 पृथ्वी दिनों की पूरी नियोजित मिशन अवधि के लिए, ChaSTE ने निगरानी की कि लैंडिंग स्थल पर तापमान कैसे बदलता है। इन मापों से यह समझने में मदद मिली कि सौर प्रवाह (solar flux) तापमान को कैसे बदल रहा है और चंद्र सतह के माध्यम से गर्मी कैसे प्रवाहित होती है; यह जानकारी भविष्य के चंद्र अन्वेषण के लिए महत्वपूर्ण है।

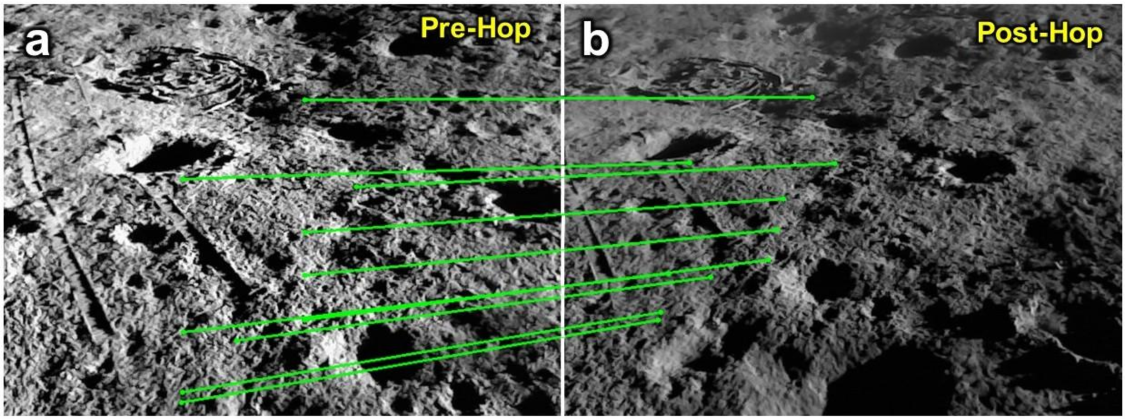

चित्र 1. हॉप से पहले और बाद के LI फ्रेम। रेखाएँ इमेज में मेल खाने वाली मुख्य विशेषताओं को दर्शाती हैं।

2 सितंबर, 2023 को, अपना प्राथमिक मिशन पूरा करने के बाद, इसरो ने एक अनियोजित लेकिन उल्लेखनीय

प्रयोग किया। विक्रम लैंडर के इंजनों को फिर से प्रज्वलित (re-ignite) किया गया, जिससे लैंडर लगभग आधा मीटर उछलकर (hop) पास के स्थान पर पहुंच गया। इस युद्धाभ्यास/अभ्यास ने प्रदर्शित किया कि अंतरिक्ष यान के इंजनों को चंद्र सतह पर फिर से चालू और नियंत्रित किया जा सकता है। यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसरो भविष्य में एक सैंपल रिटर्न मिशन की योजना बना रहा है, जहां समान/इसी प्रकार की इंजीनियरिंग क्षमताओं को विकसित किया जाना है।

हॉप (उछाल) के बाद, ChaSTE को फिर से चंद्र सतह में प्रवेश कराया गया और उसने प्रारंभिक स्थान से लगभग आधा मीटर दूर नए स्थान से तापमान माप का दूसरा सेट लिया। चंद्र स्थानीय समय के संदर्भ में, ChaSTE अवलोकन शाम के गोधूलि (twilight) संक्रमण समय के दौरान किए गए थे, चंद्रमा पर ठीक 4:25 PM-5:30 PM स्थानीय समय पर। यह संक्रमण समय बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सूर्य धीरे-धीरे क्षितिज की ओर डूब रहा होता है, और लंबी चंद्र रात के करीब आते ही सतह ठंडी होने लगती है। इसने लैंडर को स्लीप मोड में डालने से पहले, संक्षिप्त अवधि के लिए ChaSTE को अद्वितीय अवलोकन करने की अनुमति दी।

पोस्ट-हॉप प्रयोग ने लैंडिंग स्थान पर सूर्यास्त के करीब के गोधूलि प्रोफाइल प्रदान किए। लैंडर इमेजर (LI) फ्रेम से लैंडर के स्थान का सटीक अनुमान लगाया गया था, जिसने विक्रम की उछाल (हॉपिंग) और उसके बाद की लैंडिंग को कैप्चर किया था। लैंडर को घुमाने, मोड़ने और स्थानांतरित करने के विभिन्न कोणों का निर्धारण किया गया और स्थानीय ढलान और सतह के उन्मुखीकरण का पता लगाया गया। ChaSTE तापमान प्रोफाइल की व्याख्या करने में यह जानकारी महत्वपूर्ण है। विश्लेषण से पता चला कि हॉप के बाद, ChaSTE पहले की तुलना में एक छोटे क्रेटर-जैसे गड्ढे में थोड़ा आगे स्थित था। जबकि मूल साइट की ढलान लगभग 6° थी, नए स्थान ने डूबते सूरज की ओर एक अलग देखने के कोण का अनुभव किया। सतह के ढलान में इस मामूली बदलाव के कारण, समतल सतह की तुलना में इस स्थान के लिए सूर्य तेजी से अस्त हो रहा था, और यह ठीक-ठीक ChaSTE के अवलोकनों में दिखाई दिया। तापमान प्रोफाइल में तेज और अचानक गिरावट देखी गई, जो दर्शाता है कि आसपास की स्थलाकृति के कारण उपकरण संभवतः पहले ही छाया में प्रवेश कर गया था। ये अवलोकन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं कि चंद्र भूभाग में छोटे बदलाव स्थानीय तापमान को कैसे दृढ़ता से प्रभावित कर सकते हैं।

ChaSTE के अवलोकनों को सहसंबद्ध करने और समझने के लिए, पीआरएल के त्रि-आयामी (3D) थर्मोफिजिकल मॉडल का भी उपयोग किया गया था, जो यथार्थवादी रूप से प्रकाश की स्थिति और बदले में पोस्ट-हॉप स्थान के सतह के तापमान का अनुकरण करने के लिए ऑर्बिटर हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरा (OHRC) से उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा का उपयोग करता है। ChaSTE द्वारा प्राप्त प्रवेश बल (penetration force) और तापमान प्रोफाइल का उपयोग विभिन्न थर्मोफिजिकल और भू-तकनीकी (geotechnical) गुणों को प्राप्त करने के लिए किया गया था, जो भविष्य के अन्वेषण और मिशन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

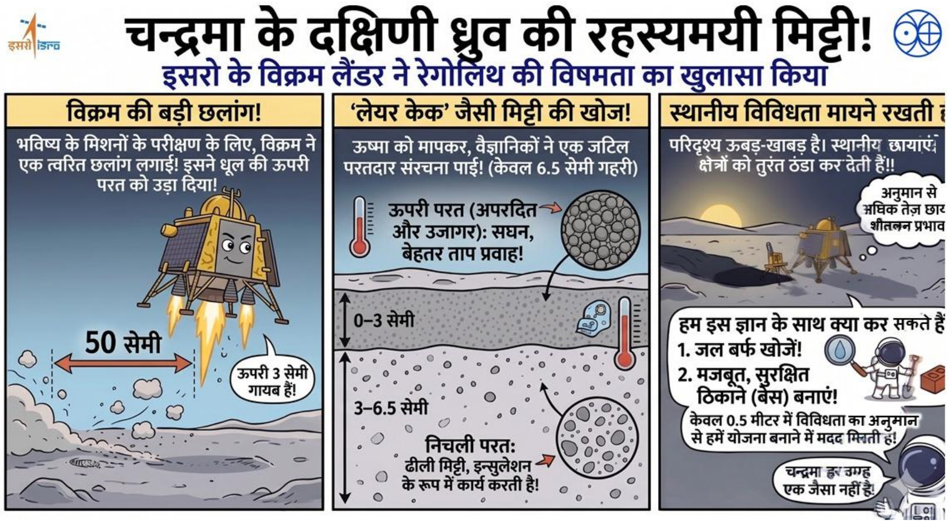

चित्र 3. विक्रम लैंडर द्वारा किए गए 'हॉप' एक्सपेरिमेंट और ChaSTE ऑब्ज़र्वेशन से मिली वैज्ञानिक जानकारियों का सारांश बताने वाला कार्टून (AI द्वारा बनाया गया)

इस अध्ययन ने वास्तव में हमें चंद्र सतह के व्यवहार को समझने का एक दुर्लभ अवसर दिया है। अवलोकन बताते हैं कि कुछ सेंटीमीटर के भीतर भी, रेगोलिथ (चंद्र मिट्टी) एक समान नहीं है, जिसमें अलग-अलग परतें और तेजी से बदलते थर्मोफिजिकल और भू-तकनीकी गुण हैं। महत्वपूर्ण निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं:

ChaSTE द्वारा किए गए मापन, विशेष रूप से इसके प्रवेश बल और तापमान प्रोफाइल से पता चला कि लैंडर के इंजनों के संक्षिप्त री-इग्निशन ने अंतरिक्ष यान को आगे बढ़ाने से कहीं अधिक काम किया। इंजन के निकास ने चंद्र सतह को अस्त-व्यस्त कर दिया और इसके ऊपरी तीन सेंटीमीटर हिस्से को नष्ट (eroded) कर दिया |

ये नतीजे 10 अप्रैल 2026 को 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' (ऑनलाइन) में प्रकाशित हुए हैं। लेख की जानकारी नीचे दी गई है:

"In Situ Temperatures, Regolith Properties, and Evidence of Erosion at Chandrayaan-3 Post-hop Location from ChaSTE Twilight Observations", K. Durga Prasad et al 2026 ApJ 1001 135, DOI 10.3847/1538-4357/ae5228

वेब लिंक: https://iopscience.iop.org/article/10.3847/1538-4357/ae5228

हिंदी कार्यशाला- अप्रैल-जून 2026 तिमाही

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

अप्रैल-जून 2026 तिमाही की हिंदी कार्यशाला 08 जून 2026 को 1530 बजे ऑफलाइन मोड में नैनो सिम्स हॉल में आयोजित की गई। इस हिंदी कार्यशाला में वक्ता के रूप में श्रीमती रुमकी दत्ता, उप निदेशक (रा.भा.) ने "वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 तथा अन्य राजभाषा के सभी नियमों के अनुपालन एवं प्रोत्साहन योजनाएं" आदि के विषय पर कार्यशाला दी। हिंदी कार्यशाला के प्रारंभ में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा पीआरएल में राजभाषा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सराहना की। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने पर वर्ष 2025-26 के नवनियुक्तों एवं प्रशासनिक क्षेत्रों के सदस्यों को नियमों के अनुपालन एवं विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यशाला में कुल 45 सदस्यों को नामित किया गया था।

प्रस्तुति के बाद, एक चर्चात्मक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें सदस्यों को विषय के बारे में नए दृष्टिकोण और अतिरिक्त विवरण दिए गए।

कार्यशाला की कुछ झलकियां

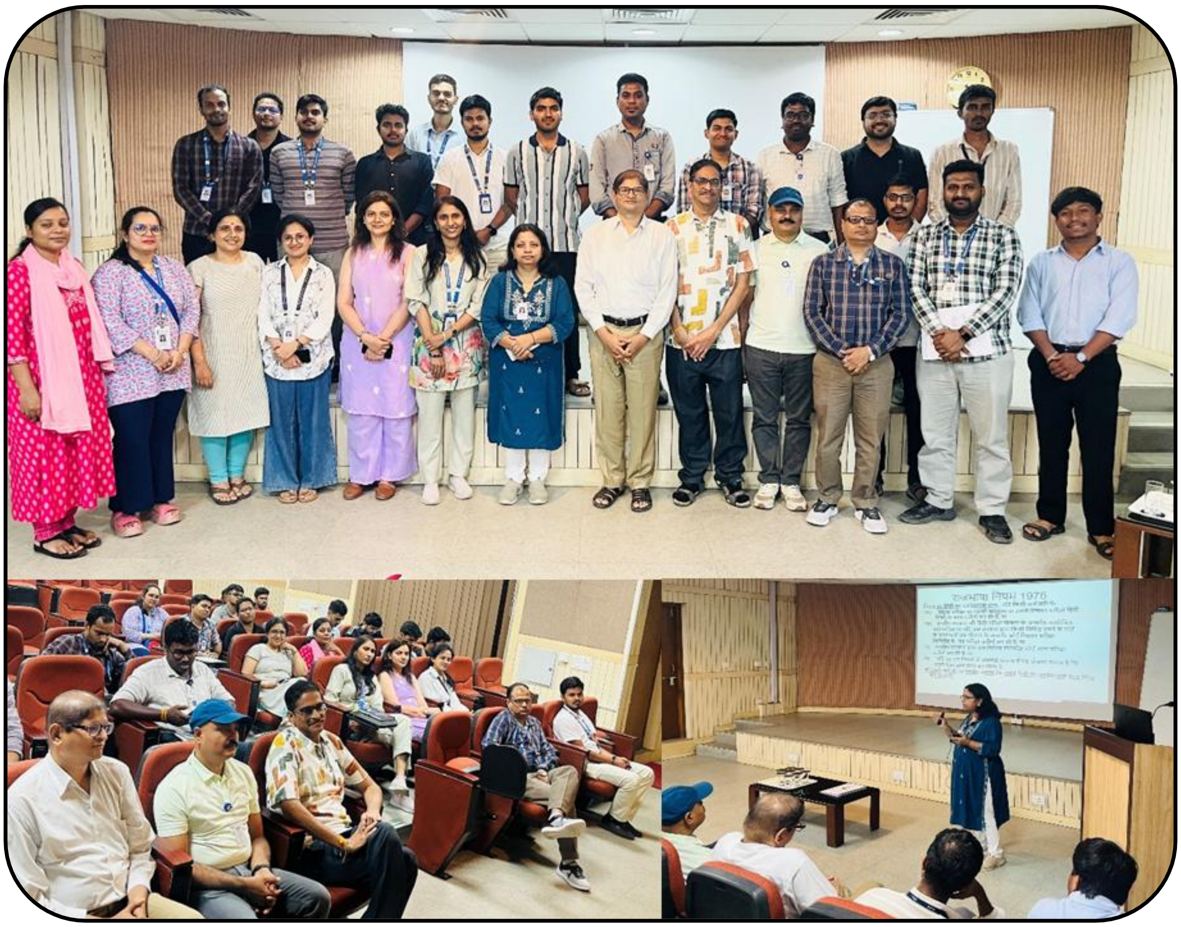

पीआरएल क्रिकेट लीग (पीसीएल) 2026 – संक्षिप्त रिपोर्ट

पीआरएल क्रिकेट लीग (PCL) 2026 का आयोजन 18 से 26 अप्रैल 2026 के बीच थलतेज ग्राउंड, अहमदाबाद में उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। यह टूर्नामेंट केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विभिन्न प्रभागों के बीच आपसी समन्वय, टीम वर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ। खिलाड़ियों और दर्शकों के जोश ने पूरे आयोजन को जीवंत और यादगार बना दिया। इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमों ने भाग लिया और 9 रोमांचक मैच खेले गए। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे हर मुकाबला दर्शकों के लिए अत्यंत रोचक रहा। टूर्नामेंट के दौरान कुल 1658 रन बनाए गए, 108 विकेट गिरे तथा 1198 गेंदें खेली गईं। बल्लेबाजों द्वारा 38 चौके और 55 छक्के लगाए गए, जबकि 4 अर्धशतक भी दर्ज किए गए, जो प्रतियोगिता के उच्च स्तर को दर्शाता है। लीग चरण में टीमों को दो समूहों (ग्रुप A और ग्रुप B) में विभाजित किया गया था। ग्रुप A में SPASC ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि ग्रुप B में AMOPH ने निरंतर अच्छा खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त बनाए रखी। दोनों समूहों के मैचों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मकता का परिचय दिया। नॉकआउट चरण में मुकाबले और भी रोमांचक हो गए। सेमीफाइनल में SPASC ने ASTRO को 20 रनों से हराया, जबकि PSDN ने AMOPH को 35 रनों से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला PSDN और SPASC के बीच खेला गया, जिसमें PSDN ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 113/6 का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जवाब में SPASC की टीम 77/7 रन ही बना सकी और PSDN ने 36 रनों से शानदार जीत हासिल करते हुए टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। पुरस्कार वितरण में PSDN को विजेता घोषित किया गया। आयुष कुमार (PSDN) को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन (138 रन) के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुना गया, जबकि अनिलकुमार यादव (SPASC) को 8 विकेट लेने के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का सम्मान मिला। सतेंद्र मोहन शर्मा (PSDN) को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन (86 रन और 8 विकेट) के लिए 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित किया गया। समग्र रूप से, पीआरएल क्रिकेट लीग 2026 ने न केवल खेल प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि आपसी सहयोग, खेल भावना और संगठनात्मक एकता को भी सुदृढ़ किया। यह आयोजन सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बनकर उभरा।

हिंदी कार्यशाला- जनवरी-मार्च 2026 तिमाही

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही की हिंदी कार्यशाला 02 मार्च 2026 को 1600 बजे ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई। इस हिंदी कार्यशाला में वक्ता के रूप में डॉ. भूषित गिरीषभाई वैष्णव, वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस.एफ. ने "दैनंदिन कार्यों में कंप्यूटर के अनुप्रयोग एवं नवीन एआई टूल्स/सॉफ्टवेयर" के विषय पर कार्यशाला दी। हिंदी कार्यशाला के प्रारंभ में श्रीमती रुमकी दत्ता, उप-निदेशक (रा.भा.), ने स्वागत वक्तव्य दिया तथा सभी के द्वारा राजभाषा के प्रोत्साहन में योगदान के लिए आभार प्रकट किया। इस हिंदी कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने पर सदस्यों को दैनंदिन कार्यों में कंप्यूटर के प्रयोग एवं नवीन एआई टूल्स/सॉफ्टवेयर की जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यशाला में कुल 71 सदस्यों को नामित किया गया था।

प्रस्तुति के बाद, एक चर्चात्मक प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, प्रशिक्षक महोदय नें प्रतिभागियों के सभी प्रश्नों के उत्तर धैर्य पूर्वक दिए।

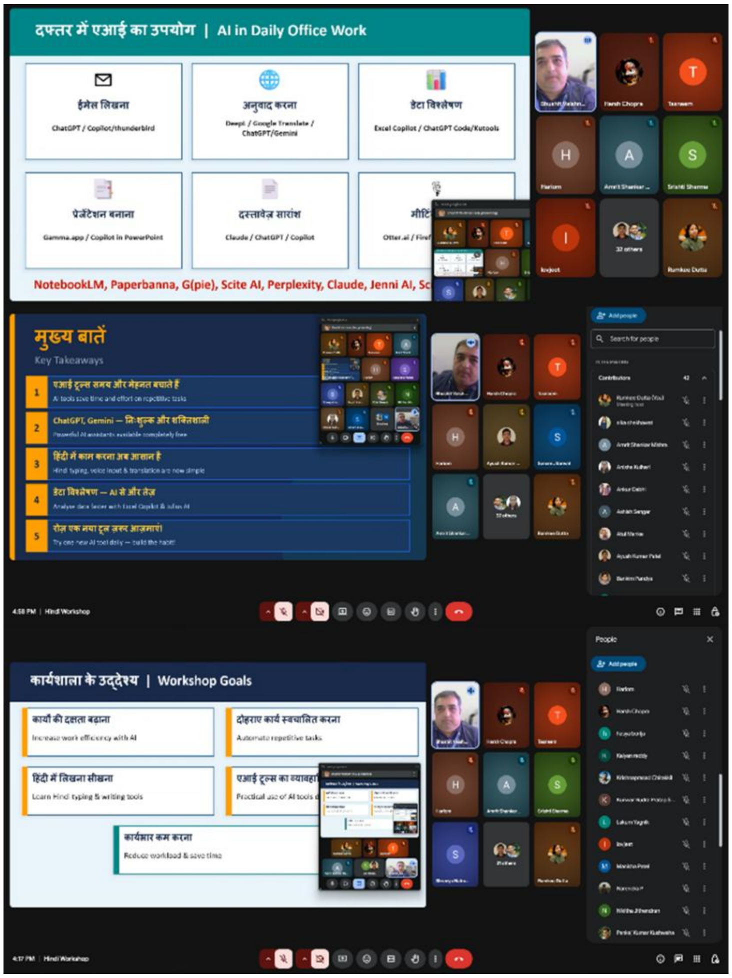

राजभाषा शब्दों का सफर प्रतियोगिता 2026

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में संविदा/अनुबंध के अंतर्गत (बागवानी कर्मी, सफाई-कर्मी, चालक, सुरक्षा-गार्ड, डेली वेजर तथा कैंटीन) सदस्यों के लिए "राजभाषा-शब्दों का सफर प्रतियोगिता–2026" का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सोमवार, 04 मई 2026 को 1400 बजे के.आर. रामनाथन सभागार में ऑफलाइन माध्यम से आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सदस्यों में भाषा के प्रति सहजता विकसित करना तथा मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के साथ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 9 टीमों के 45 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जबकि लगभग 70 संविदा सदस्य इस कार्यक्रम में दर्शक के रूप में शामिल हुए। प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता को रोचक, ज्ञानवर्धक तथा मनोरंजनात्मक स्वरूप प्रदान करने हेतु कुल छह विभिन्न चक्रों का आयोजन किया गया। सभी चक्रों को आकर्षक पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिससे कार्यक्रम अधिक प्रभावशाली एवं आकर्षक बन सका। प्रतियोगिता के विभिन्न चक्र निम्नानुसार रहे :

चक्र 1 : मेरा संस्थान – मेरी पहचान
चक्र 2 : दिमाग से खेलो, अंक ले लो
चक्र 3 : म्हारु गुजरात, सारु गुजरात
चक्र 4 : इशारों इशारों में
चक्र 5 : बूझो तो जाने
चक्र 6 : गाता रहे मेरा दिल (दो राउंड)

कार्यक्रम के दौरान केवल प्रतिभागियों की ही नहीं, बल्कि दर्शकों की सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया गया। बीच-बीच में दर्शकों से भी रोचक प्रश्न पूछे गए तथा सही उत्तर देने वालों को प्रोत्साहन स्वरूप चॉकलेट दी गई। इससे पूरे सभागार में आनंदमय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा।

प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार वितरण के समय प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं गर्व का भाव दिखाई दिया। विजेता टीम के प्रत्येक सदस्यों को पुरस्कार के रूप में नकद, मैडल एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया| इसके अतिरिक्त सभी संविदा सदस्यों को भी स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित सभी सदस्यों एवं दर्शकों ने इस प्रतियोगिता की बहुत सराहना की। यह आयोजन न केवल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध हुआ, बल्कि इससे सदस्यों के बीच आपसी सहयोग, आत्मविश्वास एवं संस्थान के प्रति जुड़ाव की भावना भी और अधिक सुदृढ़ हुई।

कार्यक्रम की झलकियाँ

साइंस सिटी अहमदाबाद में साइंस कार्निवल 2026 में पीआरएल की भागीदारी

सौजन्य: डॉ. नवीन चौहान और डॉ. राजेश कुशवाहा

इस वर्ष गुजरात सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत आने वाली गुजरात काउंसिल ऑफ़ साइंस सिटी (जीसीएससी) ने 27 से 29 मार्च 2026 के दौरान पाँच दिनों का साइंस कार्निवल (विज्ञान उत्सव) आयोजित किया। यह आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में किया गया था और इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय "विज्ञान में महिलाएं" पर आधारित था। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य के मुख्य सचिव एम. के. दास ने किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के भाग के रूप में, इस कार्यक्रम में पूरे राज्य के स्कूलों और कॉलेजों से हज़ारों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस कार्यक्रम में एआई और रोबोटिक्स पर प्रदर्शनियाँ और कार्यशालाएँ, ड्रोन शो, विज्ञान प्रश्नोत्तरी और रोज़मर्रा की चीज़ों से जुड़े विज्ञान के प्रयोग शामिल थे। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष प्रदर्शनियाँ भी शामिल की गई थीं। साइंस कार्निवल 2026 में वैज्ञानिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शामिल थी, जिसमें पीआरएल, सैक, आईपीआर, आईएसआर, आईओसीएल, सीएसआईआर जैसे प्रमुख अनुसंधान संस्थानों के साथ-साथ निजी संस्थाओं और स्कूलों द्वारा वैज्ञानिक गतिविधियाँ और प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। इसमें स्कूली छात्रों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों के जाने-माने वैज्ञानिकों के व्याख्यान भी शामिल थे। कुल मिलाकर, 90 से अधिक वैज्ञानिक संस्थानों और नवप्रवर्तकों ने अपने शोध प्रस्तुत किए।

इस विज्ञान कार्निवल में, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) का एक स्टॉल था, जिसमें पीआरएल में हुए नवाचार और विज्ञान से जुड़ी चीज़ें दिखाई गई हैं। इसमें, पीआरएल ने चंद्रयान 2 और 3 में लगे स्विस, एपीएक्सएस और एक्सएसएम उपकरणों के प्रोटोटाइप दिखाए थे; साथ ही 14C तिथि-निर्धारण , ट्री रिंग तिथि-निर्धारण और स्टैलेग्माइट तिथि-निर्धारण के तरीकों के कार्य सिद्धांत को दर्शाने वाला एक मॉडल भी प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा, अलग-अलग अनुसंधान क्षेत्रों में पीआरएल की अनुसंधान गतिविधियों के बारे में पोस्टरों के ज़रिए जानकारी दी गई है। इन 3 दिनों के दौरान, एसआरएफ, पीडीएफ, वैज्ञानिक और संकाय सदस्यों सहित पीआरएल के लगभग 20 शोधकर्ताओं ने अभ्यागतों से बातचीत की, बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान के महत्व और राष्ट्र निर्माण में पीआरएल के योगदान के बारे में बताया, और उन्हें विज्ञान की ओर प्रेरित करने की कोशिश की। पीआरएल की प्रदर्शनी को राज्य के मुख्य सचिव एम. के. दास और सैक के निदेशक श्री नीलेश एम. देसाई ने भी देखा। इस कार्यक्रम में, पीआरएल की प्रदर्शनी को 300 से ज़्यादा लोगों ने देखा। विशेष

रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों में, उन्नत अनुसंधान के बारे में जानने को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

चित्र में कार्यक्रम और अभ्यागतों की झलक दिखाई गई है।

चित्र: साइंस सिटी अहमदाबाद में साइंस कार्निवल 2026 में पीआरएल के वैज्ञानिक छात्रों को मॉडल/पोस्टर समझाते हुए

संक्षेप में, साइंस कार्निवल छात्रों और स्टार्टअप्स को प्रेरित करने के लिए एक बेहतरीन मंच था। पीआरएल की टीम ने अभ्यागतों से बातचीत करके, मॉडलों और पोस्टरों के बारे में समझाकर, और छात्रों को वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करके इस अवसर का प्रभावी रूप से उपयोग किया। पीआरएल टीम के लिए यह एक मूल्यवान और ज्ञान-समृद्ध अनुभव था।

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2026-27 वार्षिक कार्यक्रम के कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य
क्षेत्र "क" के लिए

क्र.सं. S.No.	कार्य विवरण Details of Works	क्षेत्र क Region A
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (तार,बेतार, टेलेक्स, फैक्स, ई-मेल आदि सहित) Originating Correspondence in Hindi (including Telegrams, Wireless, Telex, Fax, E-mails etc.)	क क्षेत्र से क क्षेत्र को From A to A 100% क क्षेत्र से ख क्षेत्र को From A to B 100% क क्षेत्र से ग क्षेत्र को From A to C 70% क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति From Region A to Offices/ individuals in States/UTs of A & B region 100%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना Letters received in Hindi to be answered in Hindi	100%
3.	हिंदी में टिप्पण Noting in Hindi	80%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम Training Programme through Hindi Medium	75%
5.	हिंदी टंकक, आशुलिपिक की भर्ती Recruitment of Hindi Typists, Stenographers	80%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं अथवा सहायक द्वारा) Dictation in Hindi/ Direct Typing on Key-Board (self or by the Asstt.)	70%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि) Hindi Training (Language, Typing/Stenography)	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना Preparing of Bilingual training Material	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ ग्रंथों को छोड़कर, पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी अनुवाद पर खर्च की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों आदि की खरीद पर किया गया व्यय Expenditure for the purchase of Hindi books etc., including digital matters i.e., Hindi e-books, CD/DVD, Pen Drive including amount incurred on Translation in Hindi from English and Regional Languages out of the total Library grant, excluding journals and standard reference books	50%

10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद Purchase of all electronic equipments, including computers in bilingual form	100%
11.	वेबसाइट Website	100% (द्विभाषी bilingual)
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रर्दशन Citizen Charter and display of Public interface information Board	100% (द्विभाषी bilingual)
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./नि./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का %) Inspection by Ministries /Departments/ Offices of their offices located outside their Headquarters & by the officers of DOL (% of Offices)	30% (न्यूनतम minimum)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण Inspection of sections at Headquaters	30% (न्यूनतम minimum)
	(iii) विदेश में स्थित केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण। Joint inspections by the officers of the concerned Deptt. & those of the Deptt. of Official Language of Foreign based Undertakings/Offices etc. owned or controlled by the Central Government.	वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण At least one inspection in a year
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें Meetings regarding Official Language	
	(क) हिंदी सलाहकार समिति Hindi Salahkar Samiti	वर्ष में 02 बैठकें (न्यूनतम) 02 meetings in a year (minimum)
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति Town Official Language Implementation Committee	वर्ष में 02 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक) 02 meetings in a year (One meeting every 6 months)
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति Official Language Implementation Committee	वर्ष में 04 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक) 04 meetings in a year (One meeting every quarter)
15.	कोड, मैनुअल,फार्म,प्रक्रिया साहित्य का हिन्दी अनुवाद Translation of Codes, Manuals, forms, Procedural literature	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों। Sections of the Ministries/Departments/Offices/Banks/ Undertakings where entire work to be done in Hindi.	45%

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2026-27 वार्षिक कार्यक्रम के कुछ महत्वपूर्ण लक्ष्य

क्षेत्र "ख" के लिए

क्र.सं. S.No.	कार्य विवरण Details of Works	क्षेत्र ख Region B
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (तार,बेतार, टेलेक्स, फैक्स, ई-मेल आदि सहित) Originating Correspondence in Hindi (including Telegrams, Wireless, Telex, Fax, E-mails etc.)	ख क्षेत्र से क क्षेत्र को From B to A 90% ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को From B to B 90% ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को From B to C 60% ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति From Region B to Offices/ individuals in States/UTs of A & B region 90%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना Letters received in Hindi to be answered in Hindi	100%
3.	हिंदी में टिप्पण Noting in Hindi	55%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम Training Programs through Hindi Medium	65%
5.	हिंदी टंकक, आशुलिपिक की भर्ती Recruitment of Hindi Typists, Stenographers	70%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं अथवा सहायक द्वारा) Dictation in Hindi/ Direct Typing on Key-Board (self or by the Asstt.)	60%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि) Hindi Training (Language, Typing/Stenography)	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना Preparing of Bilingual training Material	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ ग्रंथों को छोड़कर, पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिन्दी अनुवाद पर खर्च की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों आदि की खरीद पर किया गया व्यय Expenditure for the purchase of Hindi books etc., including digital matters i.e., Hindi e-books, CD/DVD, Pen Drive including amount incurred on Translation in Hindi from English and Regional Languages out of the total Library grant, excluding journals and standard reference books	50%

10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद Purchase of all electronic equipment's, including computers in bilingual form	100%
11.	वेबसाइट Website	100% (द्विभाषी bilingual)
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन Citizen Charter and display of Public interface information Board	100% (द्विभाषी bilingual)
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./नि./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का %) Inspection by Ministries /Departments/ Offices of their offices located outside their Headquarters & by the officers of DOL (% of Offices)	30% (न्यूनतम minimum)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण Inspection of sections at Headquarters	30% (न्यूनतम minimum)
	(iii) विदेश में स्थित केन्द्रीय सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण। Joint inspections by the officers of the concerned Deptt. & those of the Deptt. of Official Language of Foreign based Undertakings/Offices etc. owned or controlled by the Central Government.	वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण At least one inspection in a year
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें Meetings regarding Official Language	
	(क) हिंदी सलाहकार समिति Hindi Salahkar Samiti	वर्ष में 02 बैठकें (न्यूनतम) 02 meetings in a year (minimum)
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति Town Official Language Implementation Committee	वर्ष में 02 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक) 02 meetings in a year (One meeting every 6 months)
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति Official Language Implementation Committee	वर्ष में 04 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक) 04 meetings in a year (One meeting every quarter)
15.	कोड, मैनुअल,फार्म,प्रक्रिया साहित्य का हिन्दी अनुवाद Translation of Codes, Manuals, forms, Procedural literature	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों। Sections of the Ministries/Departments/Offices/Banks/ Undertakings where entire work to be done in Hindi.	35%

विश्व हिंदी दिवस 2026 पर 'वंदे मातरम्-राष्ट्रीय अभिव्यक्ति हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता'

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

विश्व हिंदी दिवस 2026 के उपलक्ष्य में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2026 को 'वंदे मातरम्-राष्ट्रीय अभिव्यक्ति हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता पीआरएल के सभी परिसरों में एक साथ आयोजित की गई। राष्ट्र गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वंदे मातरम् स्मारक कार्यक्रम के अंतर्गत "विश्व हिंदी दिवस-2026" के उपलक्ष्य में राष्ट्र गीत "वंदे मातरम्" के स्वर्णिम एवं गौरवशाली इतिहास के विभिन्न पहलुओं के बारे में हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में सभी परिसरों से कुल 53 सदस्यों ने भाग लिया।

प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम

क्रमांक	नाम	पुरस्कार
1	सुश्री श्रेया पांडेय	प्रथम
2	श्रीमती अमी कार्तिक पटेल	द्वितीय
3	श्रीमती ज्योति लिम्बात	द्वितीय
4	श्री कुंवर रुद्र प्रताप सिंह	द्वितीय
5	श्री सन्नी पांचाल	द्वितीय
6	श्री रोहित वर्मा	द्वितीय

पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 64वीं बैठक

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, मुख्य परिसर, अहमदाबाद की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 64वीं बैठक शुक्रवार, 20 मार्च 2026 को 1130 बजे से 1325 बजे तक वीडियो कॉन्फरेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। कार्यालयाध्यक्ष एवं निदेशक, पीआरएल, प्रो. अनिल भारद्वाज ने इस बैठक की अध्यक्षता की। अध्यक्ष, रा.भा.का.स., निदेशक, पीआरएल ने बैठक की शुरुआत सभी सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस (International Day of Happiness- 20 March) की शुभकामना के साथ की एवं सभी को खुश रहने का संदेश दिया। सभी सदस्यों का अभिनंदन एवं स्वागत किया। वर्ष 2025-26 की अंतिम रा.भा.का.स. बैठक में निदेशक, पीआरएल ने 2026-27 में भी उत्साह के साथ पीआरएल में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बनाए रखने की सलाह दी। कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने पिछली तिमाही में अनुभागों के आंकड़ों की समीक्षा की एवं स्थिति नियमानुसार एवं संतोषजनक पाया।

बैठक में मानक कार्यसूची के अनुसार मदवार चर्चा हुई जो निम्नानुसार है:-

(i) धारा 3 (3) के अंतर्गत कागजात द्विभाषी जारी करना।

(ii) हिंदी में पत्राचार की स्थिति।

(iii) हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना।

(iv) फाइलों पर हिंदी में टिप्पण देना।

(v) हिंदी (भाषा, टंकण व आशुलिपि) का प्रशिक्षण।

(vi) वेबसाइट पूरी तरह से द्विभाषी बनाना और अद्यतन रखना।

(vii) विभागीय आई.टी. सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा व इसका उपयोग सुनिश्चित कराना।

(viii) कोड/मैनुअल आदि पूरी तरह से द्विभाषी बनाना।

(ix) सभी कम्प्यूटरों पर द्विभाषी सुविधा (यूनिकोड में) उपलब्ध कराना।

(x) राजभाषा निरीक्षणों की स्थिति।

(xi) अनुभागों को अपना पूरा काम हिंदी में करने के लिए अधिसूचित करना।

(xii) मंत्रालय/विभाग से संबंधित अन्य विशेष मुद्दे।

(xiii) मंत्रालय/विभाग में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए उपलब्ध साधनों, यंत्रों जैसे कम्प्यूटर, प्रिंटर्स, फैक्स आदि की समीक्षा।

(xiv) मंत्रालय/विभाग में रिक्त पदों एवं भविष्य में सृजित होने वाले पदों की समीक्षा।

(xv) मंत्रालय/विभाग में राजभाषा से संबंधित लोक शिकायतों की स्थिति की समीक्षा।

(xvi) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक संपन्न हुई।

बैठक की झलकियां

पीआरएल में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का उत्सव

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा दिनांक 29.05.2026 को जारी अधिसूचना के अनुसरण में, राष्ट्रीय अभियान "एक पेड़ माँ के नाम" के अंतर्गत पीआरएल मुख्य परिसर में 5 जून 2026 को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे पीआरएल मुख्य परिसर के गेट नंबर 1 के पास हुआ जिसमें पीआरएल सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य पर्यावरण स्थिरता को बढ़ावा देना और लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाकर हरित और स्वस्थ पर्यावरण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना था, जो अभियान की भावना को दर्शाता है।

पीआरएल सदस्यों ने परिसर के दीवार की तरफ पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस पहल ने हरित आवरण बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सभी हितधारकों के बीच पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला। पीआरएल में वृक्षारोपण कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस 2026 और "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसने पर्यावरण संरक्षण, माताओं के प्रति कृतज्ञता और एक स्थायी भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम की झलकियां

झील की गहरायी

नज़्म

सौजन्य: श्री हिमांशु साहू, यूएसओ (पीआरएल)

गहरायी झील की, झील के अंदर ना देखिए,
बाहर आइए..-2, और गहरायी लोगों में देखिए;
हवाओं के झोंकों में पानी को बहते तो देख लिया,
अब इन हवाओं में लोगों को बहते भी देखिए।।
अजी दूर.. से बहते पानी को निहारना छोड़िए,
अब जरा पास आते लोगों को भी देखिए;
यहाँ कुछ लोग तो बस एक रोज़ की तरह चले आए हैं,
कोई घूमने के इरादे से, तो कोई पहली मर्तबा आए हैं,
कोई समेट रहा है यादें, कोई नया नज़ारा ढूँढता है,
मुसाफिरों के इस मेले में, हर शख्स का अंदाज़ देखिए
गहरायी झील की, झील के अंदर ना देखिए ।।
यूँ तो बहुत से लोग यहां घूमने आए हैं,
कोई बस वक़्त बिताने, तो कोई दिल बहलाने आयें है;
अरे हम भी रोज़ आते हैं यहाँ, खुद से मिलने,
झील के पानी की तरह, यहाँ बहुत से लोग हैं,
कुछ लहरों की तरह चंचलता लिए,
तो कुछ ठहराव लिए लोग हैं;
किसी में झील सी गहरायी दिख जाती है कभी,
तो कुछ चमकते सितारों की तरह लोग हैं;
कुछ हंसते हुए चेहरे, तो कुछ उदास लोग भी हैं यहाँ
सुकून की चाह में डूबा हर एक चेहरा देखिए,
गहरायी झील की, झील के अंदर ना देखिए।।

ग्रहों पर विद्युत् तड़ित (Lightning) के अनुकरण हेतु तड़ित अभिलक्षणन एवं पहचान के लिए प्रणाली एवं विधि

सौजन्य: प्रो. जयेश पाबारी

संयुक्त रूप से विकसित

चरोतर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CHARUSAT), चांगा, गुजरात
एवं
फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल), अहमदाबाद, गुजरात

अन्वेषक: 1. तृषित उपाध्याय, 2. जयेश पाबारी, 3. उपेश पटेल, 4. किल्लोल पंड्या, 5. रमाकांत महाजन, 6. अनिल भारद्वाज

1. परिचय

वायुमंडलीय विद्युत गतिविधियों का अध्ययन ग्रह विज्ञान (Planetary Science) के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। तड़ित (Lightning) एक प्राकृतिक घटना है, जिसमें विद्युत ऊर्जा का तीव्र निर्वहन होता है। यह किसी ग्रह की वायुमंडलीय संरचना, बादलों की गतिशीलता तथा पर्यावरणीय परिस्थितियों का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। शुक्र (Venus), बृहस्पति (Jupiter) तथा शनि (Saturn) जैसे ग्रहों पर तड़ित गतिविधियों का अध्ययन उनके वायुमंडलीय व्यवहार को समझने तथा पृथ्वी के बाहर जीवन की संभावनाओं की खोज में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

यद्यपि वर्तमान में अनेक तड़ित पहचान प्रणालियाँ उपलब्ध हैं, किंतु अधिकांश प्रणालियाँ पृथ्वी-आधारित अनुप्रयोगों के लिए विकसित की गई हैं तथा ग्रहों के कृत्रिम वायुमंडलीय वातावरण में उत्पन्न तड़ित घटनाओं के अभिलक्षणन के लिए उपयुक्त नहीं हैं। तड़ित का अत्यंत अल्पकालिक स्वरूप तथा प्रयोगशाला में ग्रहों जैसे वातावरण का निर्माण करने की जटिलता वर्तमान प्रणालियों की प्रभावशीलता को सीमित कर देती है।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए CHARUSAT और पीआरएल के शोधकर्ताओं ने ग्रहों पर तड़ित के अनुकरण, पहचान तथा अभिलक्षणन हेतु एक नवीन प्रणाली एवं विधि विकसित की है। यह आविष्कार नियंत्रित ग्रह-समान वातावरण में तड़ित जैसी विद्युत घटनाओं का सृजन, पहचान और विश्लेषण करने में सक्षम है तथा भविष्य के ग्रह अन्वेषण अभियानों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

2. परियोजना के उद्देश्य

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी प्रयोगशाला-आधारित प्रणाली विकसित करना है जो ग्रहों के वातावरण का अनुकरण करते हुए तड़ित घटनाओं का सृजन एवं अभिलक्षणन कर सके।

परियोजना के विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- ग्रह-समान वातावरण में नियंत्रित विद्युत निर्वहन (Electrical Breakdown) उत्पन्न करना।
- उच्च वोल्टता (High Voltage) आधारित तड़ित उत्पादन प्रणाली विकसित करना।
- तड़ित घटनाओं से उत्पन्न विद्युतचुंबकीय संकेतों का अभिलक्षणन करना।
- नियंत्रित वातावरण में तड़ित तरंगों के प्रसार का अध्ययन करना।
- शुक्र ग्रह जैसे बाह्य ग्रहों के वातावरण का अनुकरण करना।
- भविष्य के ग्रह-अन्वेषण अभियानों हेतु तड़ित पेलोड (Lightning Payload) के विकास में सहायता प्रदान करना।

यह प्रणाली ग्रहों के वायुमंडलीय विद्युत व्यवहार को समझने तथा वैज्ञानिक मॉडलों के सत्यापन के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान करती है।

3. प्रणाली की संरचना एवं कार्यप्रणाली

विकसित प्रणाली पाँच प्रमुख उप-प्रणालियों से मिलकर बनी है।

वैक्यूम चैंबर (Vacuum Chamber)

विशेष रूप से निर्मित स्टेनलेस स्टील वैक्यूम चैंबर इस प्रणाली का मुख्य घटक है। यह लगभग 1 mbar से 2 bar तक के दाब को नियंत्रित करने में सक्षम है तथा विभिन्न ग्रहों के वायुमंडलीय वातावरण का अनुकरण करने हेतु उपयोग किया जाता है।

इलेक्ट्रोड संयोजन (Electrode Assembly)

चैंबर के भीतर दो धात्विक इलेक्ट्रोड एक निश्चित दूरी पर स्थापित किए जाते हैं। इन इलेक्ट्रोडों के बीच की दूरी तथा दाब की स्थिति विद्युत निर्वहन वोल्टता को निर्धारित करती है, जो Paschen's Law के सिद्धांत पर आधारित है।

उच्च-वोल्टता आवेग जनित्र (High Voltage Impulse Generator)

प्रणाली में पाँच-स्तरीय आवेग जनित्र का उपयोग किया गया है, जो 150 kV तक की वोल्टता उत्पन्न कर सकता है। इसके प्रमुख तकनीकी मापदंड निम्नलिखित हैं:

- Rise Time: 1.2 μs
- Fall Time: 50 μs
- Loading Capacitor: 3000 pF
- Resistance Divider: 1000 Ω
- Equipotential Resistance per Stage: 2 MΩ

आमतौर पर 50 kV से 60 kV के बीच की वोल्टता ग्रह-समान वातावरण में तड़ित उत्पन्न करने हेतु प्रयुक्त की जाती है।

डाइपोल एंटीना एवं सेंसर

डिस्चार्ज क्षेत्र के विपरीत दिशा में एक डाइपोल एंटीना स्थापित किया जाता है, जो विद्युत निर्वहन के दौरान उत्पन्न विद्युतचुंबकीय संकेतों को ग्रहण करता है। इसके अतिरिक्त, विस्तृत मापन के लिए नियर-फील्ड सेंसर भी लगाए जा सकते हैं।

मापन एवं डेटा अधिग्रहण प्रणाली

एंटीना द्वारा प्राप्त संकेतों का विश्लेषण उन्नत मापन उपकरणों एवं डेटा अधिग्रहण प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिससे आवृत्ति, तरंगरूप (Waveform), शिखर वोल्टता तथा डिस्चार्ज विशेषताओं का अध्ययन किया जा सकता है।

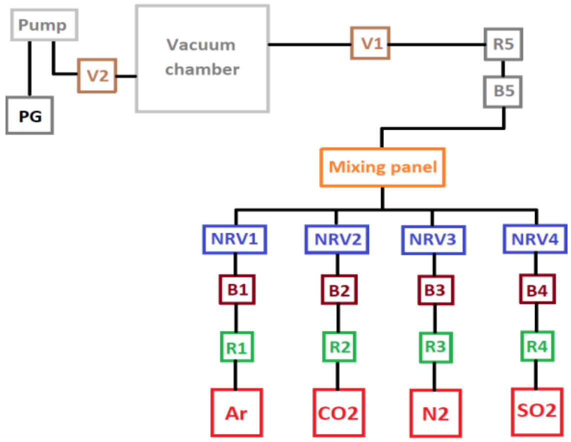

चित्र 1: गैस मैनिफोल्ड प्रणाली का योजनात्मक चित्र

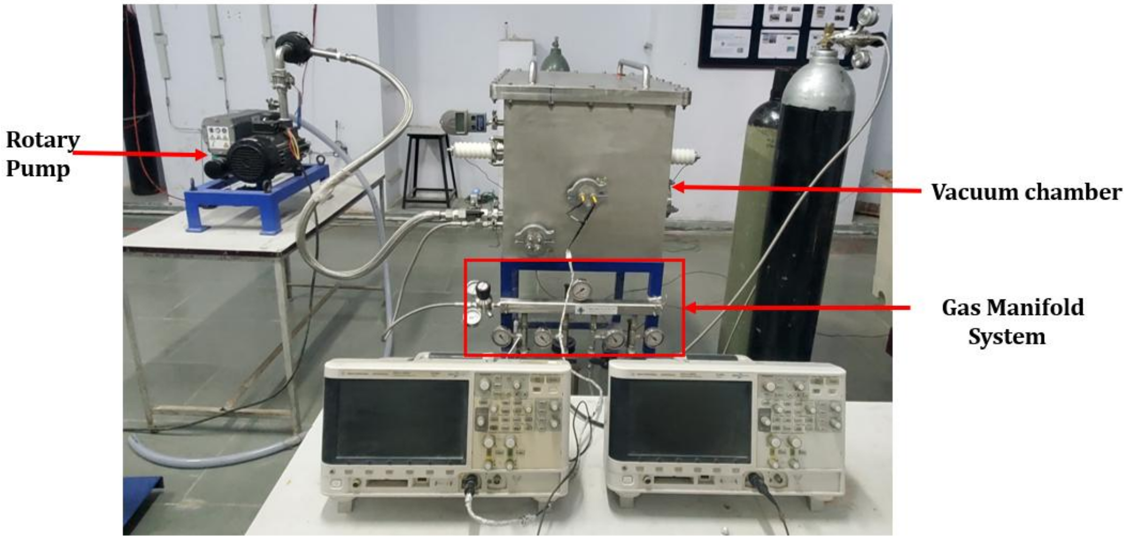

चित्र 2: पूर्ण प्रयोगात्मक व्यवस्था (Complete Experimental Setup)

4. प्रयोगात्मक कार्यप्रणाली एवं परिणाम

प्रयोगात्मक अध्ययन दो चरणों में सम्पन्न किया गया।

चरण I: तड़ित उत्पादन एवं अभिलक्षणन

प्रारंभ में वैक्यूम चैंबर के भीतर निर्वात उत्पन्न किया गया। तत्पश्चात दो इलेक्ट्रोड निश्चित दूरी पर स्थापित किए गए तथा उच्च-वोल्टता आवेग जनित्र के माध्यम से आवेग वोल्टता प्रदान की गई। इससे लगभग 1-2 माइक्रोसेकंड अवधि का तड़ित-सदृश विद्युत स्पार्क उत्पन्न हुआ।

उत्पन्न विद्युतचुंबकीय ऊर्जा को डाइपोल एंटीना द्वारा ग्रहण किया गया तथा मापन प्रणाली के माध्यम से उसका विश्लेषण किया गया। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चैंबर के बाहरी भाग को पृथ्वी (Ground) से जोड़ा गया।

चरण II: ग्रह-समान वातावरण का निर्माण

प्रथम चरण की सफलता के पश्चात गैस मैनिफोल्ड प्रणाली की सहायता से ग्रहों के वातावरण का अनुकरण किया गया।

चैंबर को निर्वातित करने के बाद उसमें ग्रहों के वातावरण के अनुरूप गैस मिश्रण भरा गया। शुक्र ग्रह के

वातावरण के अनुकरण हेतु निम्नलिखित गैस अनुपात प्रयुक्त किए गए:

- कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2): 95–96%
- नाइट्रोजन (N_2): 2–3%

आवश्यक दाब स्थापित करने के बाद पुनः विद्युत निर्वहन प्रयोग किए गए तथा प्राप्त संकेतों का विश्लेषण कर ग्रहों के वातावरण में तड़ित के व्यवहार का अध्ययन किया गया।

प्रयोगात्मक अवलोकन

प्रणाली ने विभिन्न दाब स्थितियों में सफलतापूर्वक विद्युत निर्वहन उत्पन्न एवं अभिलक्षित किया।

दाब (mbar)	**300**	**500**	**700**	**900**	**1600**
पल्स आवृत्ति (MHz)	~21	20	23	23.3	25.5
आवेग वोल्टता (kV)	25	30	35	~38	45
पीक-टू-पीक वोल्टता (V)	360	450	475	>511	>511

इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि विद्युत निर्वहन की विशेषताएँ दाब तथा गैस संरचना पर निर्भर करती हैं। प्राप्त परिणाम दर्शाते हैं कि यह प्रणाली ग्रह-समान वातावरण में तड़ित घटनाओं के सृजन एवं विश्लेषण के लिए प्रभावी है।

चित्र 3: पृथ्वी के वायुमंडलीय तड़ित परीक्षण (Earth Atmospheric Lightning Tests)

5. **महत्व, अनुप्रयोग एवं आभार**

विकसित प्रणाली ग्रहों के वायुमंडलीय अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह बाह्य ग्रहों के वातावरण में तड़ित घटनाओं के सृजन एवं अभिलक्षणन हेतु नियंत्रित प्रयोगशाला मंच प्रदान करती है। इस तकनीक का उपयोग ग्रह विज्ञान, वायुमंडलीय मॉडलिंग, अंतरिक्ष उपकरण विकास तथा भविष्य के शुक्र एवं अन्य ग्रह अभियानों के लिए तड़ित पेलोड विकास में किया जा सकता है।

यह परियोजना ग्रहों पर उत्पन्न विद्युतचुंबकीय संकेतों की समझ को बढ़ाने के साथ-साथ भविष्य की अंतरिक्ष खोज अभियानों के लिए तड़ित पहचान प्रणालियों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

आभार

शोध दल फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के RESPOND कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। इस सहयोग ने Venusian Lightning Payload तथा संबंधित प्रयोगात्मक अवसंरचना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हम पीआरएल के निदेशक **डॉ. अनिल भारद्वाज** के निरंतर प्रोत्साहन एवं सहयोग के लिए विशेष रूप से आभारी हैं। साथ ही **डॉ. जयेश पाबारी** के मार्गदर्शन, तकनीकी सहयोग एवं सतत समर्थन के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

हम **डॉ. रमाकांत महाजन**, **डॉ. हितेश वाघेला**, **डॉ. नंदिता श्रीवास्तव**, **सुश्री सोनम जितरवाल**, **श्री श्रीराग नांबियार** तथा **सुश्री रश्मि सिंह** के तकनीकी सहयोग, वैज्ञानिक चर्चाओं तथा प्रणाली विकास, परीक्षण एवं मापन में योगदान के लिए भी हृदय से धन्यवाद देते हैं।

अंत में, हम **चरोतर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CHARUSAT)** के प्रबंधन का भी आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस शोध परियोजना की सफल पूर्णता हेतु आवश्यक अवसंरचना, सुविधाएँ तथा उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया।

स्वच्छता पखवाड़ा 2026, माउंट आबू वेधशाला

सौजन्य: श्री अभिषेक प्रसाद

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत मिशन की भावना को आगे बढ़ाते हुए, माउंट आबू वेधशाला में 9 से 13 फरवरी को स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वेधशाला के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में उत्साह से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सलगांव एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, तोरना में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, गुरुशिखर एवं हिल व्यू परिसर, जवई झील क्षेत्र में सामूहिक स्वच्छता अभियान, विशेषज्ञ व्याख्यान, तथा संविदा कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर प्रमुख रहे।

इन गतिविधियों में वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, अन्य स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत वेधशाला द्वारा स्थानीय विद्यालय का भी भ्रमण किया गया, जहाँ विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर छात्र,छात्राओं एंव विद्यार्थियों को पुरस्कार, किताबें,पौधै इत्यादि वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। इस सफल आयोजन ने स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता अभियान हिल व्यू परिसर

स्वच्छता अभियान गुरुशिखर परिसर

किताबें, पौधों का वितरण

स्वच्छता की शपथ

आंतरिक शिकायत समिति की बैठक

सौजन्य: श्री अभिषेक प्रसाद

पीआरएल में कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा हेतु गठित समिति ने शिकायत का निष्पक्ष, गोपनीय एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के लिए माउंट आबू परिसर में सभी सदस्यों के साथ बैठक की। सभी कर्मचारियों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भेदभाव-मुक्त कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा सभी सदस्यों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, समानता एवं सम्मान की भावना को बनाए रखने तथा समिति के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निरंतर सहयोग प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दिनांक 19 फरवरी 2026 को पीआरएल हिल व्यू कैम्पस,वीआईपी ट्रांजिट हाउस में आंतरिक शिकायत समिति(ICC) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष महोदया डॉ. शीतल पटेल द्वारा की गई तथा बैठक में समिति के विभिन्न सदस्य, प्रो. श्रुबाबती गोस्वामी, श्रीमती रुमकी दत्ता, प्रो. अंजना व्यास, प्रो. सोम कुमार शर्मा, एवं वेधशाला के सभी कर्मचारी एंव सदस्य ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बैठक के दौरान कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं समावेशी वातावरण बनाए रखने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति के सदस्यों ने कर्मचारियों से संबंधित शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया, जागरूकता गतिविधियों तथा कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार-विमर्श किया।

समिति के अध्यक्ष एंव सदस्य

वेधशाला के सभी कर्मचारी एंव सदस्य

गणतंत्र दिवस उत्सव 2026, माउंट आबू वेधशाला (पीआरएल)

सौजन्य: श्री अभिषेक प्रसाद

गणतंत्र दिवस उत्सव को बहुत ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वेधशाला के सभी स्टाफ सदस्यों, टीओटी, कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों ने भाग लिया। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान माध्यम से राष्ट्रीय एकता और संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया।

पीआरएल माउंट आबू वेधशाला प्रतिवर्ष विभिन्न प्रकार के आगंतुकों का स्वागत करती है, जिनमें प्रमुख व्यक्तित्व, शैक्षणिक संस्थाएँ एवं खगोल विज्ञान के शौकीन शामिल होते हैं। पीआरएल स्टाफ एवं टीओटी के नेतृत्व में आयोजित प्रत्येक सत्र में आगंतुकों को वेधशाला के गौरवमयी इतिहास, अनुसंधान परियोजनाओं एवं अत्याधुनिक उपकरणों की जानकारी दी जाती है। गत छह माह के दौरान वेधशाला में अनेकों विशिष्ट अतिथियों, विद्यार्थियों एंव छात्र - छात्राओं तथा 700 से अधिक आगंतुकों ने भ्रमण किया। जिन्होंने खगोल विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों में विशेष रुचि दिखाई, जिससे उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति उत्साह को प्रोत्साहन मिला।

कुछ संबंधित झलकियाँ

स्वरक्षा महोत्सव 2026, विज्ञान भवन, साइंस सिटी, अहमदाबाद में पीआरएल का अनुसंधान और नवाचार प्रदर्शन

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने 'स्व-रक्षा महोत्सव 2026' में उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार दर्शाया। यह महोत्सव 21-22 मई 2026 को अहमदाबाद के विज्ञान भवन साइंस सिटी में आयोजित किया गया था। 'स्व-रक्षा महोत्सव 2026' ने एयरोस्पेस, रक्षा, जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, अंतरिक्ष, समुद्री प्रणालियाँ, मानव रहित प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में नवाचार, नीतिक सहयोग, व्यापार विकास, वित्त-पोषण और निवेश के अवसर, और प्रौद्योगिकी के प्रतिपादन को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतरीन वैश्विक प्लेटफॉर्म प्रदान किया। इस महोत्सव में सरकारी, उद्योग, शिक्षा जगत, अनुसंधान संगठन, स्टार्टअप और सुरक्षा एजेंसियां एक मंच पर आए ताकि तकनीकी प्रगति, ज्ञान विनिमय हो सके, नए अवसर ढूंढे जा सके और राष्ट्रीय सुरक्षा व तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाने के लिए साझेदारी को सशक्त किया जा सके। प्रस्तुतियों और प्रदर्शनियों के इस कार्यक्रम में उभरती हुई तकनीकों पर ज़ोर दिया गया, जिनमें AI-आधारित रक्षा प्रणालियाँ, उन्नत मानवरहित हवाई प्लेटफ़ॉर्म, उपग्रह अनुप्रयोगों, अंतरिक्ष अन्वेषण तकनीकें, समुद्री सुरक्षा समाधान, जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस और साइबर-संघर्ष क्षमता संरचना शामिल थे। इन नवाचारों को प्रदर्शित करके, इस महोत्सव ने तकनीकी आत्मनिर्भरता *(आत्मनिर्भर भारत)* के भारत के परिकल्पना को आगे बढ़ाने और सुरक्षा, डिफेंस और रणनीतिक तकनीकों में वैश्विक नेतृत्व के तौर पर भारत की स्थिति को मज़बूत करने में योगदान दिया।

स्व-रक्षा महोत्सव 2026 में, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने कई तरह के मॉडल, प्रोटोटाइप और पोस्टर के ज़रिए अपनी अत्याधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार प्रदर्शित की। इनमें अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री और भू-विज्ञान, खगोल विज्ञान, सौर भौतिकी, परमाणु और आणविक भौतिकी, विकिरण भौतिकी और क्वांटम तकनीक जैसे अलग-अलग शोध क्षेत्र शामिल थे। इस प्रदर्शनी में चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 मिशनों में भेजे गए स्विस, एपीएक्सएस, और एक्सएसएम उपकरण के प्रोटोटाइप के साथ-साथ रेडियोकार्बन (^{14}C), ट्री-रिंग और स्टैलेग्माइट कालनिर्धारण के सिद्धांतों को दर्शाने वाला एक इंटरैक्टिव मॉडल भी शामिल था।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम के दौरान, पीआरएल के सीनियर रिसर्च फेलो (एसआरएफ), पोस्टडॉक्टरल फेलो (पीडीएफ), वैज्ञानिक और संकाय सदस्य सहित लगभग 15 शोधार्थी शामिल थे और उन्होंने अभ्यागतों के साथ सक्रिय बातचीत की। उन्होंने मूलभूत वैज्ञानिक अनुसंधान के महत्व, राष्ट्रीय वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति में पीआरएल के योगदान और रक्षा व सुरक्षा के कामों में अंतरिक्ष विज्ञान और क्वांटम प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों की अहमियत पर प्रकाश डाला। महोत्सव के दौरान पीआरएल की प्रदर्शनी में 300 से ज़्यादा लोग आए। लोगों का प्रतिसाद बहुत उत्साहजनक रहा; युवा एनसीसी कैडेट्स, स्टार्टअप फ़ाउंडर्स, छात्र और रक्षा-संबंधी उद्योगों से जुड़े लोगों ने इसमें काफ़ी रुचि दिखाई। इन चर्चाओं से वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने, पीआरएल के अनुसंधान से जुड़ी उपलब्धियों को दिखाने और वैज्ञानिकों व इनोवेटर्स की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने का उत्कृष्ट अवसर मिला। स्व-रक्षा महोत्सव 2026 में पीआरएल की भागीदारी की झलक चित्र 1 में दिखाई गई है।

चित्र 1. विज्ञान भवन, साइंस सिटी, अहमदाबाद में आयोजित "स्वरक्षा महोत्सव 2026" में पीआरएल का अनुसंधान और नवाचार प्रदर्शन।

संक्षेप में, 'स्व-रक्षा महोत्सव 2026' एनसीसी कैडेट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स, छात्र-छात्रा और रक्षा से जुड़े उद्योग के सदस्यों के सामने पीआरएल का उन्नत अनुसंधान और नवाचारों को दिखाने का एक बढ़िया मंच था। पीआरएल टीम ने इस अवसर का उत्कृष्ट रूप से उपयोग किया; उन्होंने अभ्यागतों से चर्चा की, उन्हें मॉडल और पोस्टर के बारे में समझाया और वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचारों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। पीआरएल टीम के लिए यह एक बहुमूल्य और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा।

उदयपुर सौर वेधशाला में विश्व हिंदी दिवस 2026

सौजन्य: श्री अभिषेक उपाध्याय

विश्व हिंदी दिवस 2026 के उपलक्ष्य में उदयपुर सौर वेधशाला, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, उदयपुर में दिनांक 12 जनवरी 2026 को 'वंदे मातरम्-राष्ट्रीय अभिव्यक्ति हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता पीआरएल के सभी परिसरों में एक साथ आयोजित की गई। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विश्व हिंदी दिवस-2026 के अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के स्वर्णिम एवं गौरवशाली इतिहास के विभिन्न पहलुओं पर हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में यूएसओ के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला: खगोलीय ओपन नाइट, माउंट आबू वेधशाला

सौजन्य: श्री अभिषेक प्रसाद

पीआरएल माउंट आबू वेधशाला ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए पहली बार आम जनता के लिए 'खगोलीय ओपन नाइट' का आयोजन 31 मई 2026 को शाम 5:00 से रात्रि 11:00 तक वेधशाला परिसर में किया गया। इस विशेष कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले व्यक्तियों तथा उनके परिवारजनों को परिसर का भ्रमण करने एवं आधुनिक दूरबीनों द्वारा रात्रि आकाश में स्थित विभिन्न खगोलीय ग्रहों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में की गई।

कार्यक्रम में राजस्थान (64%) एवं गुजरात (36%) राज्यों से लगभग 750 पंजीकृत प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में 32% महिलाएँ एवं 68% पुरुष थे। इसके अतिरिक्त, कुल प्रतिभागियों में 9% वरिष्ठ नागरिक (50 वर्ष से अधिक आयु) तथा 40% विद्यार्थी शामिल थे, जो कार्यक्रम की व्यापक पहुँच और विविधता को दर्शाता है। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रतिभागियों को लगभग 30-30 व्यक्तियों के समूहों में विभाजित किया गया तथा प्रत्येक समूह के साथ एक मार्गदर्शक नियुक्त किया गया। मार्गदर्शकों ने प्रतिभागियों को वेधशाला के 14 विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों एवं प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया, जहाँ वेधशाला की आधारभूत संरचना, कार्यप्रणाली, वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा राष्ट्रीय खगोल विज्ञान कार्यक्रमों में इसके योगदान की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण 1.2-मीटर दूरबीन के मुख्य बीम एवं फाइंडर के माध्यम से आकाशीय पिंडों का प्रत्यक्ष अवलोकन था। इसके अतिरिक्त, माउंट आबू में प्रकाश प्रदूषण तथा उसके खगोलीय अवलोकनों पर पड़ने वाले प्रभाव को प्रदर्शित करने वाला विशेष स्टॉल भी अत्यधिक लोकप्रिय रहा। इस स्टॉल पर वेधशाला परिसर के चारों ओर लिए गए 20-सेकंड एक्सपोज़र वाले वास्तविक चित्रों और पोस्टरों के माध्यम से यह दर्शाया गया कि बढ़ता कृत्रिम प्रकाश रात्रिकालीन खगोल विज्ञान के लिए किस प्रकार गंभीर चुनौती उत्पन्न कर रहा है। प्रदर्शनी में प्रकाश प्रदूषण को कम करने के व्यावहारिक उपायों का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें ऊपर से ढके हुए तथा नीचे की ओर केंद्रित प्रकाश स्रोतों का उपयोग प्रमुख था। यह प्रदर्शन वेधशाला में विकसित एक विशेष मॉडल द्वारा किया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के ब्रॉडबैंड एवं नैरोबैंड प्रकाश स्रोतों को ढके और बिना ढके दोनों रूपों में प्रदर्शित किया गया। स्वयंसेवकों ने एरिज़ोना के टक्सन मॉडल का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि किस प्रकार प्रभावी प्रकाश-प्रबंधन नीतियों ने क्षेत्र की प्रमुख वेधशालाओं, जैसे किट पीक वेधशाला, के लिए अनुकूल अवलोकन परिस्थितियाँ सुनिश्चित की हैं।

एक अन्य प्रमुख आकर्षण वे प्रदर्शनियाँ थीं जिनमें वेधशाला की तकनीकी प्रगति एवं विकास यात्रा को इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रकाशिकी तथा वैज्ञानिक उपकरणों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इन प्रदर्शनों ने आगंतुकों को यह समझने का अवसर प्रदान किया कि किस प्रकार तकनीकी नवाचारों ने दशकों से संचालित अत्याधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधानों को संभव बनाया है। वर्तमान में उपयोग किए जा रहे वैज्ञानिक उपकरणों जैसे LISA, EMPOL एवं IMAGER का भी प्रदर्शन किया गया। इनके माध्यम से फोटॉमेट्री, पोलारीमेट्री तथा स्पेक्ट्रोस्कोपी जैसी आधुनिक अवलोकन तकनीकों की जानकारी दी गई, जिससे विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवा प्रतिभागियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने की प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम का एक अत्यंत आकर्षक भाग वेधशाला में विकसित रोबोटिक दूरबीन का मॉडल था, जो मोटर नियंत्रित प्रणाली तथा PRAMANA, ANWESHIKA और NGC कंसोल के एक उपसमुच्चय पर आधारित था। प्रतिभागी कमांड लाइन इंटरफ़ेस के माध्यम से किसी खगोलीय पिंड का नाम अथवा उसके निर्देशांक दर्ज कर सकते थे, जिसके बाद मॉडल दूरबीन स्वतः उस लक्ष्य की दिशा में घूम जाती थी। इस प्रदर्शन ने खगोल विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के समन्वय को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया और विद्यार्थियों एवं तकनीकी रुचि रखने वाले प्रतिभागियों में विशेष उत्साह उत्पन्न किया।

2.5-मीटर दूरबीन भवन के अंधकारयुक्त भाग में स्थापित एक अन्य मॉडल द्वारा संशोधित लेज़र बीम एवं लोडस्टार CCD कैमरे की सहायता से छवि निर्माण (Image Formation) की मूलभूत अवधारणाओं को सरल प्रयोगों के माध्यम से समझाया गया। इस प्रदर्शन में स्रोत से प्राप्त सूचना, पृष्ठभूमि प्रकाश का प्रभाव तथा डेटा निष्कर्षण की प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया। साथ ही यह भी दिखाया गया कि कृत्रिम प्रकाश की थोड़ी-सी वृद्धि भी पृष्ठभूमि संकेत को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है, जिससे प्रकाश प्रदूषण के दुष्प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से समझाया जा सका।

इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सुनील चंद्र (सहायक प्रोफेसर) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय स्टाफ सदस्यों श्री आशीर्वाद नायक, सुश्री निकिता के. जितेन्द्रन, श्री जिनेश के. जैन, श्री नारायण सिंह, श्री विनय यादव, श्री करण जडेजा तथा श्री कानाराम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रमुख स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं श्री अशद अहमद, श्री भव्या ऐलावधी, श्री कुशाग्र श्रीवास्तव, श्री अंतरिक्ष मित्रा, श्री तनय पटेल, श्री त्रिजय पटेल, सुश्री स्तुति तथा माउंट आबू वेधशाला एवं पीआरएल अहमदाबाद के लगभग 20 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, विभिन्न दूरबीन संचालकों (Telescope Operators) ने भी आगंतुकों को मार्गदर्शन प्रदान करने एवं प्रदर्शनियों के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

कार्यक्रम की रूपरेखा एवं गतिविधियों का प्रारूप सुश्री प्रेया सुरती, श्री तनय पटेल, श्री त्रिजय पटेल एवं सुश्री मिहिका हेतमसरिया तथा अन्य ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप विद्यार्थियों के विशेष प्रयासों से तैयार किया गया। उनकी रचनात्मकता, समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता ने कार्यक्रम को अधिक आकर्षक, शिक्षाप्रद एवं प्रभावी

बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समग्र रूप से यह कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और प्रतिभागियों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। आगंतुकों ने वेधशाला का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने तथा वैज्ञानिकों, अभियंताओं एवं तकनीकी कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित करने के अवसर की सराहना की। अधिकांश प्रतिभागियों ने इस अनुभव के शैक्षणिक महत्व को रेखांकित करते हुए भविष्य में ऐसे जन-जागरूकता एवं विज्ञान प्रसार कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता व्यक्त की।

कुछ सम्बन्धित झलकियाँ

प्राइम (PRIME): अनुसंधान सूचना प्रबंधन के लिए एक एकीकृत प्रणाली

सौजन्य: डॉ. मोहम्मद. नुरुल आलम

प्राइम (PRIME – PRL Research Information and Metrics Engine) एक वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (रिसर्च इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम - RIMS) है, जिसका विकास पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन प्रभाग द्वारा संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं के व्यवस्थित प्रबंधन के लिए किया गया है।

प्राइम का विकास मुक्त स्रोत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए किया गया है। इसका बैकएंड डीजैंगो (पाइथन) पर आधारित है, जबकि फ्रंटएंड के लिए रिएक्ट जेएस तथा डेटा प्रबंधन के लिए मायएसक्यूएल डेटाबेस का उपयोग किया गया है। इस प्रणाली में प्रयुक्त शोध-संबंधी आँकड़े स्कोपस और ऑल्टमेट्रिक जैसे स्रोतों से प्राप्त किए जाते हैं।

यह मंच वैज्ञानिक प्रकाशनों, शोधकर्ता प्रोफाइल, उद्धरण आँकड़ों, अनुसंधान मेट्रिक्स तथा अन्य विद्वत्तापूर्ण उपलब्धियों को एकीकृत और उपयोगकर्ता-अनुकूल वातावरण में उपलब्ध कराता है। संस्थान के विभिन्न प्रभागों में उपलब्ध अनुसंधान सूचनाओं को एक स्थान पर संग्रहित कर प्राइम संस्थागत दृश्यता को सुदृढ़ बनाता है तथा अनुसंधान उपलब्धियों, प्रभाव और सहयोगों को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करने में सहायता करता है।

वर्तमान में प्राइम संस्थान के वैज्ञानिक प्रभागों से संबंधित 1,480 शोधकर्ता प्रोफाइल, 8,082 शोध प्रकाशनों तथा 1,46,791 उद्धरणों का प्रबंधन कर रहा है। यह मंच शोधकर्ता, प्रभाग तथा संस्थान स्तर पर अनुसंधान गतिविधियों का समेकित अवलोकन प्रदान करता है। प्राइम के माध्यम से विभिन्न प्रकार की सांख्यिकीय रिपोर्टें और विश्लेषणात्मक संकेतक प्राप्त किए जा सकते हैं, जो वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने, अनुसंधान मूल्यांकन, संस्थागत रिपोर्टिंग तथा अन्य प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए उपयोगी हैं।

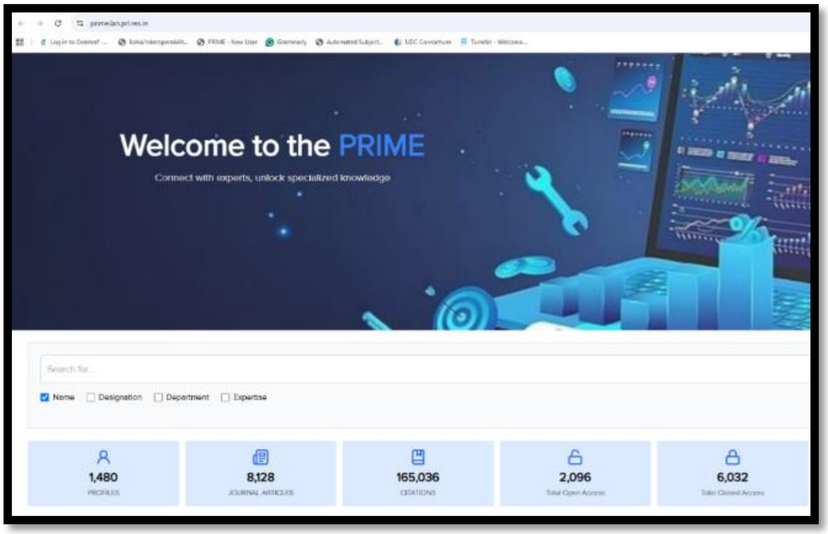

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 महोत्सव

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY-2026) में 21 जून 2026 (रविवार) को, पीआरएल मुख्य परिसर, लाइब्रेरी लॉन में बहुत उत्साह और भागीदारी के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सेहत बनाए रखने में योग के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित किया गया था। इस वर्ष समारोह का विषय "स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग" (Yoga for healthy ageing) था।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री प्रदीप कुमार शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद, श्रीमती हर्षा परमार ने योग प्रशिक्षक श्रीमती निहारिका रावल, लेवल-3 योग शिक्षिका और मूल्यांकनकर्ता का परिचय दिया। उन्होंने अतिथि का स्वागत किया और योग के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और अनुभव के बारे में बताया।

इसके बाद, श्रीमती निहारिका रावल ने योग सत्र शुरू किया। उन्होंने योग आसन करने से पहले तैयारी के तौर पर प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम) के महत्व और फायदों के बारे में बताया। उन्होंने विस्तार से समझाया कि सांस लेने की सही तकनीक कैसे एकाग्रता बढ़ाती है, तनाव कम करती है और शरीर व मन को योग अभ्यास के लिए तैयार करती है।

योग सत्र की शुरुआत अलग-अलग योग मुद्राओं (आसनों) के प्रदर्शन के साथ हुई। श्रीमती निहारिका ने योग मुद्राओं की विभिन्न श्रेणियों - जैसे खड़े होकर किए जाने वाले आसन, बैठकर किए जाने वाले आसन और लेटकर किए जाने वाले आसन - के बारे में बताया और उनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभों का वर्णन किया। फिर उन्होंने हर आसन का विधिवत प्रदर्शन किया, ताकि सभी प्रतिभागी उन्हें सही तरीके से कर सकें। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सत्र में भाग लिया और उनके मार्गदर्शन में खड़े होकर, बैठकर और लेटकर किए जाने वाले विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। सत्र के अंत में, प्रतिभागियों ने प्राणायाम किया और उसके बाद शवासन किया।

योग अभ्यास के बाद, श्रीमती निहारिका को, कार्यक्रम में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए प्रो. अनिल भारद्वाज, निदेशक पीआरएल द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजकों द्वारा उन्हें तुलसी का पौधा भेंट दिया गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती नंदिनी रवि राव के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का समारोह सभी प्रतिभागियों के लिए एक यादगार और ज्ञानवर्धक अनुभव रहा।

कार्यक्रम की झलकियाँ

अंबेडकर जयंती समारोह

सौजन्य: श्री सुनील डी. हंसराजाणी

दिनांक 14.04.2026 (मंगलवार) को पीआरएल मुख्य परिसर स्थित 'रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉइज एसोसिएशन' के कार्यालय में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पीआरएल के निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज, डीन डॉ. डी. पल्लम राजू तथा अन्य सदस्यों ने भारतीय संविधान के महान शिल्पकार डॉ. बी. आर. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर निदेशक डॉ. अनिल भारद्वाज ने सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान तथा उनके अधिकारों के लिए डॉ. अंबेडकर द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डाला। डीन डॉ. डी. पल्लम राजू ने डॉ. अंबेडकर की दूरदर्शी सोच, उनके विचारों तथा राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन पीआरएल 'रिजर्व्ड क्लास एम्प्लॉइज एसोसिएशन' द्वारा किया गया।

अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अवसर पर तृतीय वर्कशॉप (एसडब्ल्यूएसओ-3) और चतुर्थ भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन (आईएसडब्ल्यूसी-4)

पीआरएल ने 27-28 जनवरी, 2026 के दौरान हाइब्रिड मोड में "अंतरिक्ष मौसम विज्ञान और अवसरों पर तीसरी कार्यशाला (एसडब्ल्यूएसओ-3)" आयोजित की। यह कार्यशाला एरोनॉमी, अंतरिक्ष मौसम और इसके अनुप्रयोगों पर केंद्रित थी जिसके मूल सिद्धांतों के बारे में भौतिकी और संबद्ध क्षेत्रों में परास्नातक के दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रहे छात्रों को बताना था।

इस वर्कशॉप के बाद 29-30 जनवरी, 2026 को "चतुर्थ भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन (आईएसडब्ल्यूसी-4)" आयोजित किया गया, जिसका उद्‌घाटन पीआरएल प्रबंध परिषद और अंतरिक्ष आयोग के सदस्य श्री ए. एस. किरण कुमार ने किया। आईएसडब्ल्यूसी-4 में कई विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें जियोमैग्नेटिक रूप से शांत और अशांत समय के अंतरिक्ष मौसम, आदित्य-L1 के डेटा से मिलने वाली जानकारी, और DISHA (डिस्टर्ब्ड एंड क्वाइट टाइम आयनोस्फीयर-थर्मोस्फीयर सिस्टम एट हाई एल्टीट्यूड्स) मिशन और उसके पेलोड के लिए विज्ञान संबंधी योजनाओं पर चर्चा शामिल थी। आईएसडब्ल्यूसी-4 के दौरान कुल 72 पेपर प्रस्तुत किए गए, जिनमें ऑनलाइन/ऑफलाइन मौखिक वार्ता, फ़्लैश टॉक और पोस्टर प्रस्तुतियां शामिल थीं। यह देखकर अच्छा लगा कि लगभग 50 शैक्षणिक संस्थानों के शोधार्थियों ने अपने लेख प्रस्तुत किए। भाग लेने वालों में 35% महिलाएं थीं और 70% अंतरिक्ष विभाग के अंदर अन्य विभागों एवं संस्थानों से थे।

पीआरएल वार्षिक ब्रिज टूर्नामेंट 2025-26

पीआरएल वार्षिक ब्रिज टूर्नामेंट 2025-26 गुरुवार, 12 मार्च 2026 को एलिसब्रिज जिमखाना में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह टूर्नामेंट डायरेक्टर श्री एस. के. शाह की देखरेख में हुआ, जिनकी गाइडेंस ने सभी के लिए एक निष्पक्ष, सुचारू और दिलचस्प अनुभव सुनिश्चित किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान, प्रतिभागियों ने बेहतरीन रणनीतिक समझ और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। पीआरएल से आलोक श्रीवास्तव और तेजस सरवैया; दिनेश मेहता और सोमा कोटेड; राजेश कैला और प्रदीप शर्मा; हितेश सी पांचाल और विजय सिंह राठौड़; शुभम शर्मा और मयंक चौबे की टीम थी।

न्यूट्रिनो फ़िज़िक्स पर चतुर्थ विक्रम चर्चा

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने 2 से 4 फ़रवरी, 2026 तक "न्यूट्रिनो फ़िज़िक्स: ऑसिलेशन, मास एंड बियॉंड" विषय पर चतुर्थ विक्रम चर्चा आयोजित की। पीआरएल की विक्रम चर्चा सीरीज़, विशेषज्ञों और युवा शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाती है ताकि गहन वैज्ञानिक चर्चाओं को बढ़ावा दिया जा सके और विभिन्न संस्थानों के बीच नए शोध सहयोग बनाने में मदद मिल सके। इस आयोजन में न्यूट्रिनो ऑसिलेशन और न्यूट्रिनो मास के बारे में मौजूदा समझ की समीक्षा करने पर ध्यान दिया गया और यह देखा गया कि ये परिणाम पार्टिकल फ़िज़िक्स, एस्ट्रोफ़िज़िक्स और कॉस्मोलॉजी के व्यापक प्रश्नों से कैसे जुड़े हैं। इसमें प्रायोगिक परिणामों और सैद्धांतिक चुनौतियों, दोनों पर सक्रिय रूप से चर्चा की गई।

यूएसओ स्वर्ण जयंती सम्मेलन

सौजन्य: श्री अभिषेक

पीआरएल के उदयपुर सौर वेधशाला (यूएसओ) ने 10 से 13 फरवरी 2026 के दौरान उदयपुर के थर्ड स्पेस में "एक्सप्लोरिंग द सन एट हाई-रिज़ॉल्यूशन: प्रेजेंट पर्सपेक्टिव्स एंड फ्यूचर होराइजन्स" (उच्च-विभेदन पर सूर्य की खोज: वर्तमान दृष्टिकोण और भावी संभावनाएं) विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय बैठक आयोजित की। इस सम्मेलन का उद्घाटन मंगलवार, 10 फरवरी 2026 को पद्म श्री डॉ. ए. एस. किरण कुमार (अध्यक्ष, पीआरएल प्रबंधन परिषद), प्रो. अनिल भारद्वाज निदेशक, पीआरएल, प्रो. षिबू के. मैथ्यू (प्रधान, यूएसओ-पीआरएल) और गेस्ट ऑफ़ ऑनर के तौर पर उदयपुर पैलेस की सुश्री निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने किया। वैज्ञानिक सत्र में इन छह विषयों पर फोकस किया गया: शांत सूर्य की गतिशीलता ; सक्रिय क्षेत्रों में चुंबकीय और वेग क्षेत्र ; ऊपरी वायुमंडल का गर्म होना; डायग्नोस्टिक तकनीकें - इनवर्जन कोड, रेडिएटिव MHD सिमुलेशन; मौजूदा और आने वाली ज़मीन और अंतरिक्ष-आधारित सुविधाएं; और क्षणिक घटनाएं व अंतरिक्ष मौसम। चार दिन के इस सम्मेलन में 21 आमंत्रित वार्ताएँ, 19 अनुरोधित वार्ताएँ, 22 सहभागिता वार्ताएँ और भारतीय चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम पर प्रो. अनिल भारद्वाज का एक सार्वजनिक व्याख्यान शामिल था। प्रतिभागियों ने यूएसओ में आइलैंड ऑब्जर्वेटरी और कई सुविधाओं का दौरा भी किया। वैज्ञानिक समुदाय ने सम्मेलन के आयोजन और वैज्ञानिक कंटेंट की बहुत सराहना की और इसे एक बहुत ही लाभदायक और यादगार कार्यक्रम माना।

विश्व रक्तदाता दिवस समारोह 2026: "इंसानियत की एक बूँद। रक्तदान करें। जीवन बचाएँ।"

सौजन्य: श्री दिव्यांग जी अड्यालंकर

विश्व रक्तदाता दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाने वाला एक वैश्विक उत्सव है। विश्व रक्तदाता दिवस 2026 के उपलक्ष्य में, चिकित्सालय, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला ने श्री जलाराम अभ्युदय सद्भावना ट्रस्ट, अहमदाबाद के सहयोग से 11 जून, 2026 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया था।

शिविर के शुरू होने से पहले, जागरूकता और प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए विभिन्न चैनलों के माध्यम से प्रयास किए गए। पंजीकरण गूगल फॉर्म के जरिए ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया था। चिकित्सालय टीम ने पीआरएल कर्मचारियों, अनुसंधान अध्येताओं, संविदा कर्मचारियों, सीआईएसएफ और अन्य लोगों से संवाद किया ताकि बड़ी संख्या में आकर वे अपना रक्तदान कर इस शिविर को सफल बना सकें। सुचारू एवं संगठित कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए, भीड़भाड़ से बचने के लिए रक्तदाताओं के आगमन को चरणबद्ध तरीके से निर्धारित किया गया था।

11 जून 2026 को नवरंगपुरा चिकित्सालय में श्री जलाराम अभ्युदय सद्भावना ट्रस्ट, अहमदाबाद के सहयोग से रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई। कुल 42 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने एक यूनिट रक्त के रूप में अपना योगदान देने के लिए पहले से ही अपना पंजीकरण कराया था। शिविर सुबह 08:30 बजे शुरू हुआ और दोपहर 01:30 बजे तक चला। रक्तदान शिविर में 5 घंटे के भीतर कुल 60 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

चिकित्सालय, भौ.अं.प्र. सभी रक्तदाताओं को उनके स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने के निस्वार्थ कार्य के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है।

चंद्रमा के सबसे अंधेरे गड्ढों में छिपी बर्फ की खोज: चंद्रयान-2 रडार से मिले नए संकेत

सौजन्य: डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा

सारांश

चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर ऐसे क्षेत्र मौजूद हैं जहाँ करोड़ों वर्षों से सूर्य का प्रकाश नहीं पहुंचा है। इन अत्यंत ठंडे और स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों में बर्फ के सुरक्षित बने रहने की संभावना लंबे समय से वैज्ञानिकों को आकर्षित करती रही है। हाल ही में हमने चंद्रयान-2 के ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक एपर्चर रडार (DFSAR) के आंकड़ों का उपयोग करते हुए ऐसे विशेष क्रेटरों का अध्ययन किया, जिन्हें "द्वि-छायांकित क्रेटर" (Doubly Shadowed Craters) कहा जाता है। ये क्रेटर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों (Permanently Shadowed Regions, चित्र १) के भीतर स्थित हैं। अध्ययन से संकेत मिले हैं कि इन क्रेटरों के नीचे उथली गहराई में बर्फ मौजूद हो सकती है। यह खोज भविष्य के चंद्र अभियानों, संसाधन उपयोग तथा मानव बस्तियों की योजना के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

चंद्रमा पर बर्फ की खोज क्यों महत्वपूर्ण है?

पृथ्वी पर जीवन के लिए जल जितना आवश्यक है, उतना ही महत्व भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में भी उसका है। यदि चंद्रमा पर पर्याप्त मात्रा में बर्फ उपलब्ध हो, तो उससे पीने का पानी, ऑक्सीजन तथा रॉकेट ईंधन के लिए हाइड्रोजन प्राप्त किया जा सकता है। यही कारण है कि पिछले कई दशकों से दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियाँ चंद्र ध्रुवीय क्षेत्रों (polar regions) में बर्फ की तलाश कर रही हैं। वर्ष 2009 में चंद्रयान-1 ने पहली बार चंद्र सतह पर जल-अणुओं की उपस्थिति के मजबूत प्रमाण प्रस्तुत किए थे। इसके बाद अनेक अंतरराष्ट्रीय मिशनों ने ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ की संभावनाओं को और मजबूत किया। फिर भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न बना रहा - क्या बर्फ केवल सतह पर है, या सतह के नीचे भी संरक्षित रूप में मौजूद है?

चित्र १: *चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का परिप्रेक्ष्य दृश्य, जिसमें इस क्षेत्र के प्रमुख क्रेटर दर्शाए गए हैं। स्रोत: नासा (NASA) Lunar and Planetary Institute (LPI)।*

क्या हैं द्वि-छायांकित क्रेटर?

चंद्रमा के ध्रुवों पर कुछ बड़े क्रेटरों के भीतर छोटे-छोटे क्रेटर मौजूद हैं। यदि कोई छोटा क्रेटर स्वयं भी स्थायी छाया में हो और उसका ऊँचा किनारा आसपास की रोशनी तथा ऊष्मा को भी भीतर पहुँचने से रोक दे, तो उसे द्वि-छायांकित क्रेटर कहा जाता है।

ऐसे क्रेटरों के भीतर तापमान अत्यंत कम हो सकता है, जो लगभग 25 केल्विन (−248°C) तक पहुँच जाता है। यह तापमान पृथ्वी के सबसे ठंडे प्राकृतिक स्थानों से भी कहीं कम है। इतने कम तापमान पर बर्फ अरबों वर्षों तक सुरक्षित रह सकती है।

अध्ययन कैसे किया गया?

इस शोध में हमने चंद्रयान-2 के DFSAR उपकरण से प्राप्त पूर्ण-ध्रुवण (full polarimetric) रडार आंकड़ों का उपयोग किया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि क्या इन अत्यंत ठंडे क्रेटरों के नीचे बर्फ मौजूद है। हमने दक्षिणी ध्रुव के तीन प्रमुख स्थायी छायांकित क्षेत्रों, जैसे फॉस्टिनी (Faustini), हॉवर्थ (Haworth) और शूमेकर (Shoemaker) क्रेटरों में स्थित नौ द्वि-छायांकित क्रेटरों का विश्लेषण किया।

रडार संकेतों की व्याख्या के लिए दो महत्वपूर्ण मानकों का उपयोग किया गया:

- **सर्कुलर पोलराइजेशन रेशियो (CPR)**
- **डिग्री ऑफ पोलराइजेशन (DOP)**

इन दोनों मानकों के संयुक्त विश्लेषण से सतह की खुरदरापन (roughness) और वास्तविक उपसतही बर्फ के संकेतों के बीच अंतर करने का प्रयास किया गया।

हमारे शोध से क्या पता चला?

नौ क्रेटरों में से केवल चार क्रेटरों में ऐसे रडार संकेत मिले जो उपसतही बर्फ की उपस्थिति के अनुकूल हैं। इन क्रेटरों में:

- CPR का मान 1 से अधिक पाया गया।
- DOP का मान 0.13 से कम रहा।
- दोनों संकेत मिलकर उपसतही आयतनिक प्रकीर्णन (volumetric scattering) की ओर संकेत करते हैं, जो बर्फ-समृद्ध माध्यमों में अपेक्षित होता है।

विशेष रूप से फॉस्टिनी क्षेत्र का एक लगभग 1.1 किलोमीटर व्यास वाला क्रेटर सबसे अधिक रोचक पाया गया (चित्र २)। इस क्रेटर में न केवल मजबूत रडार संकेत मिले, बल्कि इसकी आकृति (लोबेट-रिम) भी

असामान्य थी, जिसने हमें यह संकेत दिए कि इसका निर्माण संभवतः किसी बर्फ-समृद्ध परत से टकराने के बाद हुआ होगा।

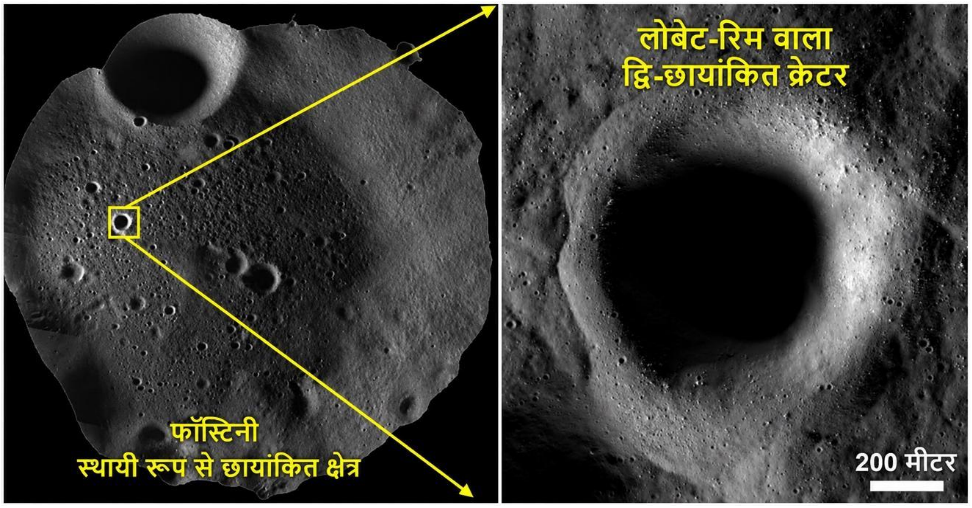

चित्र २: *चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित फॉस्टिनी स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्र (PSR) के भीतर स्थित एक द्वि-छायांकित क्रेटर का दृश्य। दाएँ पैनल में लोबेट-रिम युक्त द्वि-छायांकित क्रेटर का उच्च-रिज़ॉल्यूशन दृश्य प्रदर्शित किया गया है। स्रोत: नासा शैडोकैम (NASA ShadowCam)।*

सभी द्वि-छायांकित क्रेटरों में बर्फ क्यों नहीं मिली?

हमारे अध्ययन का एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह भी है कि चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ समान रूप से वितरित नहीं है।

किसी क्रेटर में बर्फ की उपस्थिति कई कारकों पर निर्भर कर सकती है:

- स्थानीय भूवैज्ञानिक परिस्थितियाँ (geological setting)
- क्रेटर की आयु
- सतह और उपसतह की संरचना
- बर्फ की गहराई
- प्रभाव (impact) का इतिहास

यह भी संभव है कि कुछ स्थानों पर बर्फ रडार की पहुँच से अधिक गहराई पर मौजूद हो, और इसलिए उसका पता न चल पाया हो।

इस शोध का महत्व यह अध्ययन केवल बर्फ की संभावित उपस्थिति का संकेत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भविष्य के चंद्र अभियानों के लिए संभावित लक्ष्य क्षेत्रों की पहचान भी करता है।

इस शोध के प्रमुख महत्व हैं:

- चंद्र दक्षिणी ध्रुव पर उपसतही बर्फ की खोज को नई दिशा देना।
- भविष्य के लैंडर और रोवर मिशनों के लिए प्राथमिक लक्ष्य क्षेत्रों की पहचान करना।
- चंद्र संसाधनों के उपयोग (ISRU) की संभावनाओं को मजबूत करना।
- दीर्घकालिक मानव उपस्थिति के लिए आवश्यक जल स्रोतों की खोज में सहायता करना।
- भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा भारतीय मिशन के आंकड़ों से वैश्विक महत्व का वैज्ञानिक योगदान करना।

निष्कर्ष

हमारे चंद्रयान-2 के DFSAR आंकड़ों के विश्लेषण करने से यह संकेत मिला है कि चंद्रमा के कुछ अत्यंत ठंडे द्वि-छायांकित क्रेटरों के नीचे बर्फ संरक्षित हो सकती है। यह खोज न केवल चंद्रमा पर जल के वितरण को समझने में महत्वपूर्ण है, बल्कि भविष्य के मानव चंद्र अभियानों के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है। चंद्रयान-1 द्वारा जल-अणुओं की खोज के लगभग डेढ़ दशक बाद, हमारा यह कार्य चंद्रमा पर बर्फ की कहानी में एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है।

स्वदेशी क्वांटम प्रौद्योगिकी: जोनाकी और समय स्वदेशी नवाचार के माध्यम से भारत के क्वांटम भविष्य को आगे बढ़ाना

सौजन्य: प्रो. गौतम कुमार सामंता

क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ दुनिया भर में संचार, संवेदन, संगणना और सटीक मापन के तरीकों को बदल रही हैं, तथा बहुत सारे देश सुरक्षित संचार नेटवर्क, अगली पीढ़ी के कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म और बहुत संवेदनशील मापन प्रणाली बनाने के लिए भारी निवेश कर रहे हैं। भारत के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, अहमदाबाद की भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने देश में ही विकसित दो क्वांटम उपकरण: जोनाकी और समय - के साथ प्रौद्योगिकी की ओर आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

पीआरएल की फोटोनिक साइंसेज लेबोरेटरी (पीएसएल) द्वारा विकसित ये दोनों उपकरण सालों की रिसर्च और इंजीनियरिंग के परिणाम हैं। इन्हें 8-12 दिसंबर 2025 तक पीआरएल में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस SCOPOSIS 2025 के उद्घाटन सत्र में लॉन्च किया गया। इस सत्र में श्री ए. एस. किरण कुमार (अध्यक्ष, पीआरएल परिषद), प्रो. अनिल भारद्वाज (निदेशक, पीआरएल), श्री नीलेश देसाई (निदेशक, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र), प्रो. रजत मूना (निदेशक, आईआईटी गांधीनगर) और प्रो. वेणु गोपाल अचंता (निदेशक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला) शामिल हुए।

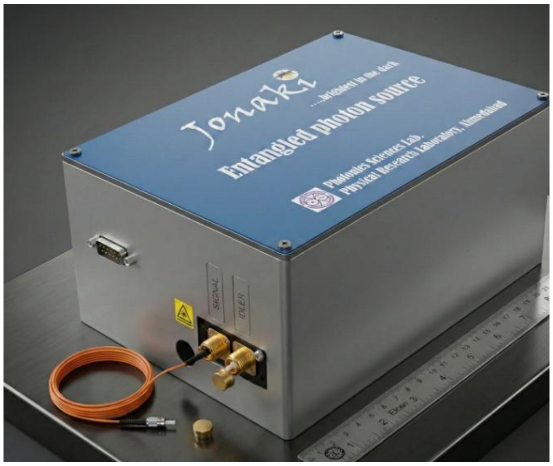

जोनाकी: क्वांटम कम्युनिकेशन के लिए मार्ग प्रज्वलन 'फायरफ्लाई' के लिए बांग्ला शब्द पर आधारित नाम 'जोनाकी', एक कॉम्पैक्ट और तीव्र रोशनी वाला एंटैंगल्ड फोटॉन स्रोत है। यह 810 nm पर एंटैंगल्ड फोटॉन युग्म उत्पन्न करता है, जिसमें कोइनसिडेंस काउंट रेट 1 MHz से ज़्यादा होती है-जो भारत में स्वदेशी रूप से बनाए गए स्रोत के लिए अब तक की सबसे ज़्यादा दर्ज की गई दरों में से एक है।

क्वांटम सूचना विज्ञान में एंटैंगल्ड फोटॉन मूलभूत संसाधन होते हैं। पारंपरिक प्रकाश के विपरीत, ये आपसी संबंध दर्शाते हैं जो संचार प्रोटोकॉल को भौतिकी के आधार पर ईव्ज़ड्रॉपिंग (छिप कर बात सुनना) का पता लगाने में सक्षम बनाते हैं: फोटॉनों को रोकने या मापने का कोई भी प्रयास उनकी क्वांटम अवस्था को बाधित

करता है। यह गुण क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) का आधार है, जो साइबर-सुरक्षित संचार के सबसे आशाजनक पद्धतियों में से एक है।

जोनाकी को प्रयोगशाला के प्रोटोटाइप के बजाय फील्ड में उपयोग किए जाने वाले उपकरण के तौर पर बनाया गया था। इसका कॉम्पैक्ट डिज़ाइन, यांत्रिक स्थिरता और आसानी से एकीकृत होने की खूबी इसे शोध और भावी वास्तविक क्वांटम कम्युनिकेशन प्रणाली, दोनों के लिए उपयुक्त बनाती है। इससे शोधार्थियों को क्वांटम कम्युनिकेशन, सेंसिंग, मेट्रोलॉजी और फंडामेंटल क्वांटम ऑप्टिक्स में काम करने के लिए एक भरोसेमंद फोटॉन सोर्स मिलता है।

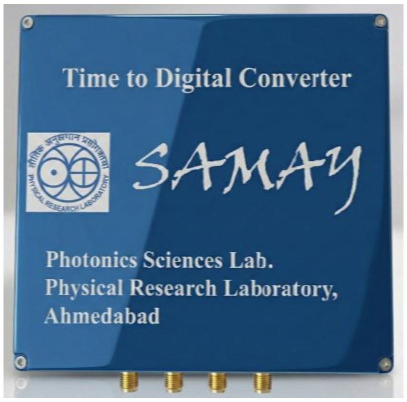

इसका विकास पीआरएल के शोध को एक तैयार उत्पाद में बदलने की क्षमता को भी दिखाता है: पीआरएल के पूर्व शोध में बताए गए मूल अवधारणा को इंजीनियरिंग के प्रयासों से धीरे-धीरे बेहतर बनाकर SCOPOSIS के दौरान प्रस्तुत किए गए उपकरण का रूप दिया

समय: क्वांटम मापों के लिए सटीक टाइमिंग "time" का हिंदी शब्द 'समय' के साथ जोनाकी को जोड़ते हुए - यह एक स्वदेशी 'टाइम-टू-डिजिटल कन्वर्टर' (टीडीसी) है जिसे सिंगल-फोटॉन डिटेक्शन घटनाओं को बहुत सटीकता के साथ समय-चिह्नित करने के लिए बनाया गया है। क्वांटम ऑप्टिक्स में, एक-एक फोटॉन का आगमन समय ज़रूरी जानकारी देता है, इसलिए क्वांटम अवस्था की पहचान करने, फोटॉन सहसंबंध को मापने और क्वांटम कम्युनिकेशन कड़ियों को समकालीन करने के लिए सटीक समय-चिह्नित होना बहुत ज़रूरी है।

समय, कम टाइमिंग जिटर के साथ 20-पिकोसेकंड का टाइम रिज़ॉल्यूशन देता है, जिससे बहुत तेज़ी से होने वाली ऑप्टिकल घटनाओं को सटीक रूप से कैप्चर किया जा सकता है। इम्पोर्टेड टाइमिंग इलेक्ट्रॉनिक्स के किफायती विकल्प के तौर पर, यह सिंगल-फोटॉन काउंटिंग, फोटॉन सहसंबंध प्रयोग, फ्लोरोसेंस लाइफटाइम मेज़रमेंट, क्वांटम कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल और क्वांटम सेंसिंग को सपोर्ट करता है - जिससे इस तरह की रिसर्च के लिए विदेशी उपकरणों पर भारत की निर्भरता कम होती है।

एक आत्मनिर्भर क्वांटम इकोसिस्टम का निर्माण जोनाकी और समय सिर्फ़ दो उपकरण नहीं हैं - ये मिलकर पूरी तरह से स्वदेशी क्वांटम टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम की दिशा में एक कदम बढ़ाते हैं। आधुनिक क्वांटम प्रयोग कई सब-सिस्टम पर निर्भर करते हैं: जैसे फोटॉन सोर्स, डिटेक्टर, टाइमिंग इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑप्टिकल कंपोनेंट और कंट्रोल सिस्टम। इन्हें देश में ही विकसित करना, लंबे समय तक टेक्नोलॉजी के मामले में आत्मनिर्भर रहने और क्वांटम इंफ्रास्ट्रक्चर तक सुरक्षित पहुँच के लिए बहुत ज़रूरी है। दोनों उपकरण संपूर्ण रूप से भारत में

ही परिकल्पित, डिज़ाइन और निर्मित किये गये थे। ये पीआरएल के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के क्वांटम ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रिसिजन इंस्ट्रूमेंटेशन और सिस्टम इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किए गए कार्यों को दिखाते हैं — यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे मूलभूत अनुसंधान में लगातार निवेश से ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित हो सकती है जिसे उपयोग में लाया जा सके और जो देश के लिए महत्वपूर्ण हो।

शोध और भविष्य के अनुप्रयोगों पर प्रभाव जोनाकी और समय जैसे उपकरणों की व्यापक उपलब्धता से

विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में शोध कार्य तेज़ होना चाहिए। इससे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के आगामी प्रजन्म को विदेशी हार्डवेयर पर निर्भर रहे बिना क्वांटम-ग्रेड संरचना का प्रत्यक्ष उपयोग करने का मौका मिलेगा। इनका मॉड्यूलर डिज़ाइन इन्हें प्रयोगशाला से बाहर भी ट्रांसलेशनल और औद्योगिक अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त बनाता है – जैसे सुरक्षित कम्युनिकेशन नेटवर्क से लेकर उन्नत संवेदन और भावी क्वांटम इंफॉर्मेशन प्लेटफ़ॉर्म तक।

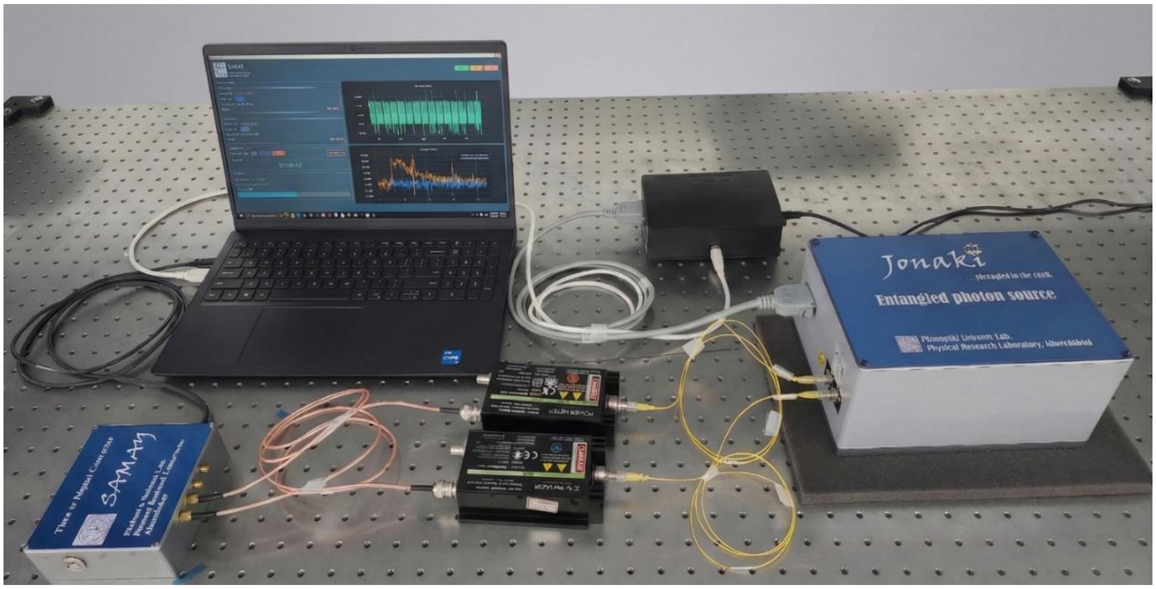

पीआरएल के लिए, 'जोनाकी' और 'समय' का सफल विकास भारत के क्वांटम प्रौद्योगिकी प्रोग्राम में एक ठोस कदम है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' के बड़े लक्ष्यों यानी, विदेशी उपकरणों पर निर्भरता कम करना और साथ ही क्वांटम कम्युनिकेशन, संवेदन, मेट्रोलॉजी और कंप्यूटिंग में आगे प्रगति के लिए आवश्यक घरेलू क्षमता विकसित करने के उद्देश्य का भी समर्थन करता है।

उदयपुर सौर वेधशाला/ पीआरएल, उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन

सौजन्य: श्री अभिषेक

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2026 के उपलक्ष्य में, यू.एस.ओ./ पी.आर.एल., उदयपुर के यू.एस.ओ. टापू वेधशाला परिसर में एक योग अभ्यास एवं प्रदर्शन सत्र के साथ-साथ एक योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 की थीम 'स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग' के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें सभी आयु वर्गों में स्वस्थ एवं निरोग रहने हेतु योग के महत्व पर बल दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. षिबु के. मैथ्यू, प्रधान, यूएसओ के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने योग प्रशिक्षिका सुश्री जैसमीतकौर और डायनेमिक योग से आई उनकी टीम के साथ-साथ सभी प्रतिभागियों एवं उनके परिवार के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने इस आयोजन में योग प्रशिक्षिका एवं उनकी टीम के बहुमूल्य योगदान के प्रति आभार प्रकट करते हुए, सराहना के रूप में, उन्हें स्मृति चिह्न स्वरूप तुलसी का पौधा भेंट किया।

तत्पश्चात्, डॉ. भुवन जोशी, उप प्रधान, यूएसओ ने अपने ज्ञानप्रद संबोधन में यूएसओ के इतिहास एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य योग प्रशिक्षिका सुश्री जैसमीत कौर एवं उनकी टीम का परिचय भी कराया तथा प्रतिभागियों को योग एवं स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता एवं योगदान से अवगत कराया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी उपस्थितजनों को योग सत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया।

इसके उपरांत, सुश्री जैसमीत कौर ने योग के इतिहास एवं महत्व का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के संवर्धन में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि योग, जो भारत की एक प्राचीन परंपरा है, आज भी शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक शांति तथा समग्र स्वास्थ्यको बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

तत्पश्चात्, सुश्री जैसमीत कौर एवं उनकी टीम के सदस्यों द्वारा ताड़ासन, भुजंगासन, वृक्षासन, मलासन आदि सहित कई सरल परंतु प्रभावी योगासनों का व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों को इन योगासनों के सही अभ्यास की विधियों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया तथा उन्हें नियमित रूप से इनका अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया। इस सत्र में विभिन्न प्राणायाम विधियों का एक विस्तृत प्रदर्शन भी शामिल था, जिसके दौरान प्रतिभागियों को इसके महत्व और लाभों से अवगत कराया गया।

सुश्री जैसमीत कौर ने योग के उपचारात्मक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए तनाव, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा आदि सामान्य जीवनशैली-जनित स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम तथा प्रबंधन में इसकी प्रभावशीलता को रेखांकित किया। इस सत्र ने शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक लचीलेपन एवं समग्र स्वास्थ्य में योग की भूमिका के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) समारोह के अंतर्गत एक योग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें एक योग प्रश्नोत्तरी और व्यावहारिक योग प्रदर्शन शामिल था। इस आयोजन में कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न योगासन श्रेणियों में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों के कौशल, लचीलेपन, समर्पण और योग के अभ्यास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन हुआ। संबंधित श्रेणियों के विजेताओं को आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, युवा प्रतिभागियों को उनके उत्साह और सक्रिय भागीदारी के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का समापन श्री अभिषेक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सुश्री जैसमीत कौर एवं उनकी टीम को सत्र के समापन हेतु उनके मूल्यवान मार्गदर्शन एवं समर्पित प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे सभी प्रतिभागियों एवं उनके परिवारजनों को उनकी सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया, जिसके कारण अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) का यह आयोजन सार्थक एवं सफल रहा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई)-2026 के उपलक्ष्य में, प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनचर्या की भावना के अनुरूप तथा योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के सिद्धांतों के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए नारियल पानी, ताजे फल एवं अंकुरित अनाज सहित स्वस्थ एवं पौष्टिक अल्पाहार भी परोसा गया। यूएसओ/पीआरएल को आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के अवसर पर 21 जून 2026 को योग प्रदर्शन सत्र आयोजित करने के लिए प्रशंसा स्वरूप *‘योग संगम पत्र’* प्राप्त हुआ है।

आयुष मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

Yoga 365

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

योग संगम पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि

UDAIPUR SOLAR OBSERVATORY - PHYSICAL RESEARCH L

ने 21 जून, 2026 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग संगम कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम Udaipur *में आयोजित किया गया, जिसमें* 35 *लोगों ने भाग लिया।*

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह कार्यक्रम कोलकाता, पश्चिम बंगाल में माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अनुरूप और एक ही समय पर आयोजित किया गया।

प्रतापराव जाधव
केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय एवं
राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

दिनांक: 21 जून, 2026
नई दिल्ली

पी.आर.एल. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (पुनर्गठित) की 65वीं बैठक

सौजन्य: हिंदी अनुभाग

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, मुख्य परिसर, अहमदाबाद की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 65वीं बैठक मंगलवार, 30 जून 2026 को 1600 बजे 1830 बजे तक वीडियो कॉन्फरेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। कार्यालयाध्यक्ष एवं निदेशक, पीआरएल, प्रो. अनिल भारद्वाज ने बैठक की शुरुआत में सभी सदस्यों का अभिनंदन एवं स्वागत किया। नियमानुसार वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 के विषय-वस्तु, लक्ष्यों आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। वार्षिक कार्यक्रम में हिंदी के प्रयोग के लिए क्षेत्र “क”, “ख” एवं “ग” के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। कार्यालयाध्यक्ष महोदय ने पिछली तिमाही में अनुभागों के आंकड़ों की समीक्षा की एवं स्थिति नियमानुसार एवं संतोषजनक पाया। वर्ष 2026-27 में भी लक्ष्यों के अनुसार इसे बनाए रखने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रत्येक प्रभागों को अपनी-अपनी बैठकों में भी राजभाषा के विकास एवं हिंदी संबंधी विभिन्न विषयों एवं राजभाषा संबंधी प्रोत्साहन योजनाओं के बारे में चर्चा करने हेतु निर्देश दिए।

बैठक में मानक कार्यसूची के अनुसार मदवार चर्चा हुई जो निम्नानुसार है:-

(i) धारा 3 (3) के अंतर्गत कागजात द्विभाषी जारी करना।

(ii) हिंदी में पत्राचार की स्थिति।

(iii) हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना।

(iv) फाइलों पर हिंदी में टिप्पण देना।

(v) हिंदी (भाषा, टंकण व आशुलिपि) का प्रशिक्षण।

(vi) वेबसाइट पूरी तरह से द्विभाषी बनाना और अद्यतन रखना।

(vii) विभागीय आई.टी. सिस्टमों में हिंदी में कार्य करने की सुविधा व इसका उपयोग सुनिश्चित कराना।

(viii) कोड/मैनुअल आदि पूरी तरह से द्विभाषी बनाना।

(ix) सभी कम्प्यूटरों पर द्विभाषी सुविधा (यूनिकोड में) उपलब्ध कराना।

(x) राजभाषा निरीक्षणों की स्थिति।

(xi) अनुभागों को अपना पूरा काम हिंदी में करने के लिए अधिसूचित करना।

(xii) मंत्रालय/विभाग से संबंधित अन्य विशेष मुद्दे।

(xiii) मंत्रालय/विभाग में हिंदी के प्रचार एवं प्रसार के लिए उपलब्ध साधनों, यंत्रों जैसे कम्प्यूटर, प्रिंटर्स, फैक्स

आदि की समीक्षा।

(xiv) मंत्रालय/विभाग में रिक्त पदों एवं भविष्य में सृजित होने वाले पदों की समीक्षा।

(xv) मंत्रालय/विभाग में राजभाषा से संबंधित लोक शिकायतों की स्थिति की समीक्षा।

(xvi) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा।

(xvii) राजभाषा प्रोत्साहन संबंधी योजनाएं।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक संपन्न हुई।

बैठक की झलकियां

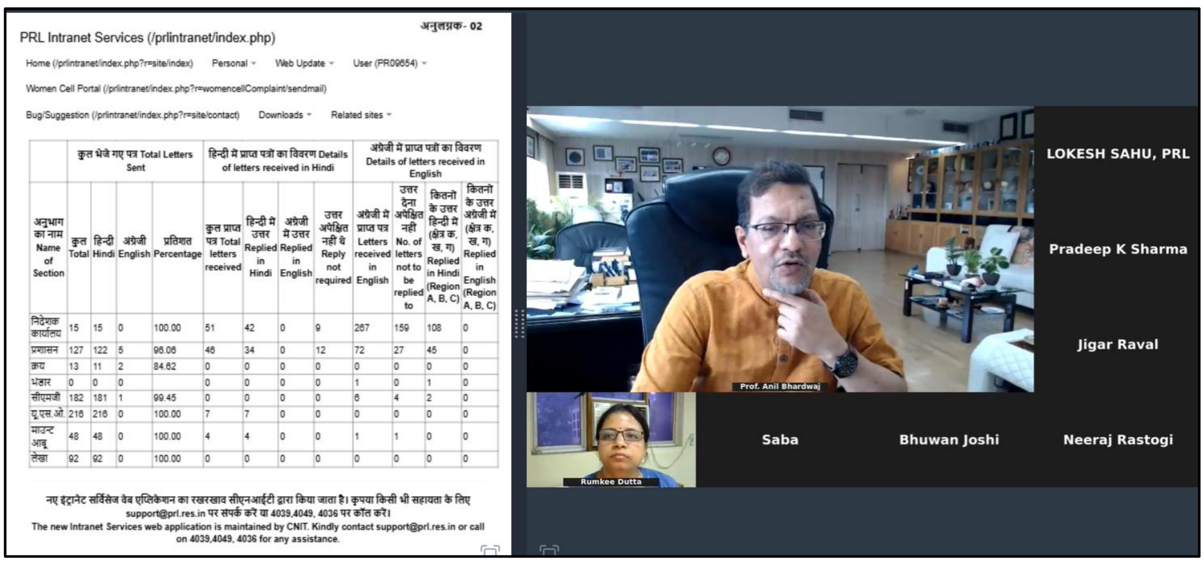

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

सौजन्य: नवीन चौहान और विक्रम गोयल

प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। यह दिन 1928 में सर सी.वी. रामन द्वारा "रामन इफ़ेक्ट" की खोज के सम्मान में मनाया जाता है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। यह दिन भारतीय भौतिकविद का विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है। पीआरएल जैसे वैज्ञानिक संस्थान के लिए विज्ञान को समाज तक पहुँचाने का यह एक बड़ा अवसर होता है। पीआरएल के सहयोगी, समाज में और खासकर स्कूली विद्यार्थियों के बीच, वैज्ञानिक अभिकल्पनाओं के बारे में जानकारी देने, उन्हें प्रोत्साहित करने और उनका प्रचार-प्रसार करने का प्रयास करते हैं। इस वर्ष, पीआरएल का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम 21 फरवरी, 2026 को मनाया गया। इस दिन, पीआरएल में गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से स्कूली विद्यार्थियों को कई तरह की गतिविधियों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। पीआरएल मेधावी विद्यार्थियों को अरुणा लाल स्कॉलरशिप (ALS) भी प्रदान करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम मुख्य रूप से दो चरणों में मनाया जाता है। पहले चरण में पीआरएल के वैज्ञानिक गुजरात भर के स्कूलों में जाकर लोगों तक विज्ञान की जानकारी पहुँचाने वाली गतिविधियाँ करते हैं। इसके अलावा, ALS पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर पीआरएल में होने वाली गतिविधियों में भाग लेने के लिए मेधावी विद्यार्थियों को चुनने के लिए परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं; यह दूसरा चरण है।

चरण1 में आउटरीच गतिविधियां (पीआरएल अहमदाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पूर्वकार्यक्रम):

इस वर्ष, 17-18 जनवरी 2026 को गुजरात के 14 स्कूल सेंटर्स पर विज्ञान आउटरीच गतिविधि आयोजित की गई। पीआरएल के वैज्ञानिकों ने लगभग 2800 स्कूली विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ चर्चा की और छोटे-छोटे प्रयोगों, मॉडलों और प्रदर्शनों के ज़रिए वैज्ञानिक अवधारणाएं समझाए। विद्यार्थियों ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी और विज्ञान से जुड़े नए अवधारणाओं को समझने के लिए उत्साह और उत्सुकता के साथ चर्चा में हिस्सा लिया। इसके अलावा, 18 जनवरी 2026 को दो प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप - ALS (अरुणा लाल स्कॉलरशिप) और VIKAS (विक्रम साराभाई प्रोत्साहन योजना) - के लिए भी परीक्षाएँ आयोजित की गईं।

दूसरे चरण में आउटरीच गतिविधियाँ (पीआरएल अहमदाबाद में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम)

दूसरे चरण में, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) सीखने-सिखाने का एक जीवंत केंद्र बन गया, क्योंकि यहाँ 21 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में, आयोजित परीक्षाओं के आधार पर चुने गए मेधावी विद्यार्थियों और सभी रजिस्टर्ड स्कूलों की टॉप करने वाली छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पीआरएल बुलाया गया। इसके अलावा, विद्यार्थियों को प्रेरित करने और चर्चा का एक मंच प्रदान करने के लिए VIKAS स्कॉलरशिप और ALS अवॉर्ड पाने वाले पुराने विद्यार्थियों को भी आमंत्रित किया गया। गुजरात के अलग-अलग हिस्सों से कुल 210 छात्र, 104 शिक्षक और कई अभिभावक एक साथ आए ताकि वे अपने विचार साझा कर सकें, विज्ञान को समझ सकें और युवा मस्तिष्कों में वैज्ञानिक जिज्ञासा की भावना विकसित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर सकें।

भविष्य के लिए एक सोच: "एस्ट्रोनॉट माइंडसेट"

दोपहर के सत्र में, सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और साथ आए लोगों को बुलाए गए विशिष्ट मेहमानों और पीआरएल के वैज्ञानिकों से चर्चा करने का मौका मिला। पीआरएल के निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को औपचारिक रूप से संबोधित किया और बच्चों से चर्चा की। विद्यार्थियों को पीआरएल के डीन की बातें सुनने का भी मौका मिला। इस दिन का एक विशेष आकर्षण गगनयात्री ग्रुप कैप्टन पी. बालकृष्णन नायर का मुख्य सत्र था।

उत्कृष्ट काम के लिए सम्मान

अंततः, बेहतरीन काम को सम्मान मिलना ही चाहिए। दिन का समापन मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार और प्रतिष्ठित 'अरुणा लाल स्कॉलरशिप' देकर किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की योग्यता का उत्सव मनाया गया। अलग-अलग श्रेणी में हर प्रतियोगिता के उत्कृष्ट अंक प्रापकों को कुल 47 पुरस्कार दिए गए। 'अरुणा लाल स्कॉलरशिप' पीआरएल के मिशन का एक अहम हिस्सा है, जो युवाओं को वैज्ञानिक खोज की ओर बढ़ने के लिए बढ़ावा और प्रोत्साहन देती है। जनवरी में हुई कठिन प्रवेश परीक्षा के बाद, 11वीं कक्षा के पांच बेहतरीन विद्यार्थियों को उनके भविष्य के वैज्ञानिक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए ये प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप दी गईं।

स्वच्छता पखवाड़ा – 2026, उदयपुर सौर वेधशाला/ पीआरएल

स्वच्छता ही सेवा है की भावना को साकार करते हुए उदयपुर सौर वेधशाला/ पीआरएल, उदयपुर में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का आयोजन अत्यंत उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के महत्व को आत्मसात करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करना था।

संस्थान के सभी स्टाफ सदस्य, शोधार्थी, पीडीएफ़ और प्रशिक्षु इस पहल में पूर्ण निष्ठा के साथ जुड़े, जिससे यह आयोजन न केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया, बल्कि एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में उभरा।

1. स्वच्छता शपथ – स्वच्छता का संकल्प:

स्वच्छता पखवाड़े की शुरुआत एक प्रभावशाली शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जहां सभी प्रतिभागियों ने 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह आयोजन सभी सदस्यों को निजी जीवन एवं कार्यस्थल दोनों में स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर बना। इस शपथ ग्रहण समारोह में उदयपुर सौर वेधशाला/ पी.आर.एल., उदयपुर के सभी स्टाफ सदस्य, शोधार्थी, पीडीएफ़ और प्रशिक्षु सम्मिलित हुए एवं स्वच्छता शपथ ली।

2. स्वच्छता अभियान – स्वच्छ परिसर, स्वस्थ पर्यावरण

"स्वच्छता ही सेवा है" की भावना को आत्मसात करते हुए उ.सौ.वे. के मुख्य कार्यालय परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों, शोधार्थियों, पीडीएफ, प्रशिक्षुओं एवं संविदा कर्मियों द्वारा व्यापक सफाई अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर उ.सौ.वे. के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं प्रधान प्रो. शिबू के. मैथ्यू, स्वच्छता पखवाड़ा समिति, उ.सौ.वे. के सदस्य डॉ. रोहन लुइस, श्री अभिषेक एवं श्री लवजीत मीना ने परिसर में सफाई अभियान का नेतृत्व किया।

इसके अलावा, उदयपुर सौर वेधशाला/पीआरएल, उदयपुर के फतेहसागर झील स्थित टापू पर अवस्थित वेधशाला परिसर तथा फतेहसागर झील में भी स्वच्छता अभियान चलाया गया।

सभी प्रतिभागियों ने कार्यालय परिसर से लेकर झील के किनारों तक कूड़ा-करकट हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। यह पहल न केवल परिसर की स्वच्छता सुनिश्चित करने में सफल रही, बल्कि स्थानीय पर्यावरण की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

3. ग्रामीण विद्यालय में स्वच्छता एवं शौचालय सौंदर्यीकरण अभियान

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत एक ग्रामीण विद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भाट में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्यालय के शौचालय की सफाई, रंगाई-पुताई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को व्यक्तिगत स्वच्छता, शौचालयों के स्वच्छ एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग तथा विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया। यह संदेश दिया गया कि "स्वच्छ विद्यालय, स्वस्थ विद्यार्थी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।"

4. स्वस्थ मुस्कान, स्वस्थ जीवन – दंत स्वास्थ्य जांच शिविर

'स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत संविदा कर्मचारियों के लिए दंत एवं मुख स्वास्थ्य जांच शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य संविदा कर्मचारियों में मुख स्वच्छता, दंत स्वास्थ्य तथा समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

शिविर के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दंत एवं मुख स्वास्थ्य की जांच की गई तथा कर्मचारियों को नियमित दंत परीक्षण, उचित ब्रश करने की विधि, संतुलित आहार एवं मुख स्वच्छता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक

परामर्श प्रदान किया गया। इस अवसर पर यह संदेश भी दिया गया कि "स्वस्थ मुख, स्वस्थ शरीर का आधार है।" अतः व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ मुख एवं दंत स्वास्थ्य की नियमित देखभाल प्रत्येक व्यक्ति के अच्छे स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

5. स्वच्छता संवर्धन हेतु स्टील डस्टबिन की स्थापना

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत परिसर के विभिन्न उपयुक्त स्थानों पर प्लास्टिक कूड़ादानों के स्थान पर स्टील कूड़ादान स्थापित किए गए। इस पहल का उद्देश्य परिसर में स्वच्छता बनाए रखना, ठोस अपशिष्ट के उचित संग्रहण को बढ़ावा देना तथा कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं आगंतुकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता विकसित करना था। इस गतिविधि के माध्यम से स्वच्छ एवं कचरा-मुक्त परिसर के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया तथा सभी को कचरे का निस्तारण केवल निर्धारित डस्टबिन में करने एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

6. स्वच्छता पखवाड़ा–2026: अध्ययन सामग्री वितरण कार्यक्रम

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत ग्रामीण विद्यालय के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अध्ययन सामग्री (स्टडी किट) का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान करना था। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा विद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया गया। यह संदेश दिया गया कि "स्वच्छता और शिक्षा, दोनों मिलकर उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।"

7. महिला स्वच्छता एवं गरिमा के लिए नई पहल

स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत महिला कर्मचारियों, छात्राओं एवं आगंतुक महिलाओं की सुविधा तथा मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्य परिसर में सेनेटरी पैड निस्तारण मशीन स्थापित की गई। इस पहल का उद्देश्य उपयोग किए गए सेनेटरी पैड के सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल निस्तारण को सुनिश्चित करना तथा महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर महिलाओं को स्वच्छता अपनाने, निर्धारित निस्तारण मशीन का उपयोग करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का संदेश दिया गया। निभाने का संदेश दिया गया।

पीआरएल अमृत राजभाषा व्याख्यान (पर्व)

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

क्र.सं.	शीर्षक, तिथि एवं समय	वक्ता	संबंधन	फ़ोटो
1	कम्प्यूटेबिलिटी, चेतना और सहसंबंधी रचनात्मकता (2026-05-13 16:00:00)	डॉ. मृत्युंजय गुहा मजूमदार	सहायक प्रोफेसर (सीनियर ग्रेड), स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अमृता विश्व विद्यापीठम, फरीदाबाद	
2	अस्तित्व का संकट-समाधान क्या ? खंडित दृष्टि या एकात्म दृष्टि (2026-06-24 16:00:00)	पद्म विभूषण प्रोफेसर मुरली मनोहर जोशी	पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री, पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री, पूर्व महासागर विकास मंत्री, पूर्व गृह मंत्री, पूर्व प्रोफेसर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं प्रतिष्ठित वक्ता	
3	भारत की नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy): संभावनाएँ और चुनौतियाँ (2026-03-26 16:00:00	डॉ. राहुल मोहन	वैज्ञानिक-G तथा पोलर साइंसेज़ एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं आउटरीच समूह के निदेशक, राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र, गोवा (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार)	
4	हाशियों की अभिकल्पना-दिव्यांगजन समावेशिता का नवाचार (2025-09-24 16:00:00)	श्रीमती अलीना आलम	फाउन्डर मिट्टी कैफै – world's largest chain of inclusive cafes	
5	हरित : भारतीय पर्यावरण दर्शन, प्रकृति एवं परम्पराओं की पुनर्स्थापना (2026-01-28 16:00:00)	डॉ. अनिल मेहता	प्रख्यात पर्यावरणविद और शिक्षाविद	

पीआरएल का अमृत व्याख्यान

सौजन्य: श्रीमती हर्षा परमार

क्र. सं.	दिनांक	व्याख्यान सं.	शीर्षक	वक्ता	संबंधन
1	2026-05-20	116	फ्रॉम स्पार्क टू स्केल: अक्षर फाउंडेशन के 10 साल	प्रो. अलका सरमा	कार्यकारी निदेशक, अक्षर फाउंडेशन एवं मानद निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय गांधीवादी अध्ययन केंद्र, USTM, मेघालय
2	2026-04-28	115	सैन्य नेतृत्व की सीख: अनुशासन, दायित्व और उत्कृष्टता	एयर मार्शल डॉ. संजीव कपूर	एवीएसएम, वीएम, भारतीय वायु सेना (सेवानिवृत्त)
3	2026-03-23	114	मौसम और जलवायु पूर्वानुमान में दूसरा महत्व पूर्ण परिवर्तन: इसमें हमारी क्या भूमिका है?	प्रो. बी. एन. गोस्वामी	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में मानद उत्कृष्ट प्रोफेसर एवं ANRF प्राइम मिनिस्टर प्रोफेसर
4	2026-02-17	113	चंद्र धूल: इसका महत्व और इसके मापन के लिए PM सेंसर	प्रो. प्रतीम बिस्वास	मियामी विश्वविद्यालय, FL, USA
5	2026-01-16	112	जैसे प्लाज़्मा घूमता है – सूर्य का घूर्णन	डॉ. फ्रैंक हिल	सीनियर साइंटिस्ट एमेरिटस, नेशनल सोलर ऑब्ज़र्वेटरी बोल्डर, कोलोराडो,यूएसए

विक्रम पत्रिका अगस्त 2025 पुरस्कृत लेख

क्रमांक	नाम	वेतन क्र.	लेख	फोटो
1.	श्री राजीव रंजन भारती	PR07820	SHARAD द्वारा मंगल ग्रह के मंगला फोसा क्षेत्र के निकट लाल क्रेटर में तलछटी भराव का अवलोकन और अध्ययन	
2.	प्रो. सोम कुमार शर्मा सुपुत्री सुश्री आंशी शर्मा	PR01191	कविता 'ये समय भी बीत ही जाएगा'	
3.	डॉ. कर्णम दुर्गा प्रसाद	PR16315	1. चंद्रयान-3 लैंडर पर स्थित CHaSTE प्रयोग द्वारा विज्ञान की उपलब्धियों का उत्सव 2. चंद्रयान-3 पर मौजूद CHaSTE उपकरण द्वारा शिव-शक्ति पॉइंट पर उच्च सतही तापमान मापन: चंद्र पर जल-बर्फ के बारे में नई जानकारी	
4.	डॉ. भूषित गिरीषभाई वैष्णव	PR01264	आद्य कवि नरसिंह मेहता- वैज्ञानिक दृष्टिकोण	
5.	सुश्री मेधा जोशी सुपुत्री: प्रो. भुवन जोशी	PR09459	अंडमान- एक रोमाचक यात्रा	

विक्रम पत्रिका जनवरी 2026 पुरस्कृत लेख

क्रमांक	नाम	वेतन क्रमांक	लेख	फोटो
1.	डॉ. ऋषितोष कुमार सिन्हा	PR16424	चंद्रयान-3 के लैंडिग स्थल पर चंद्र मेंटल सामग्री के नए संकेत	
2.	श्री हर्ष चौपड़ा	PR07849	कविता “ईश्वर”	
3.	डॉ. भूषित गिरीषभाई वैष्णव	PR01264	कविता “ क्या खोया, क्या पाया जग में (जलवायु परिवर्तन संस्करण)”	
4.	श्री सूरज कुमार	PR09649	मेरे गिरिडीह की छठ: दादी की आस्था, मेरा बचपन	

पाठकों की कलम से

प्रिय सौरभ जी

आपके प्रतिष्ठित संस्थान की राजभाषा पत्रिका 'विक्रम' का अंक-17,जनवरी -26 प्राप्त हुआ, जिसके लिए बहुत -बहुत धन्यवाद एवं शुभकामनाएं।

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ सरल , सुबोध एवं रोचक हैं। सभी रचनाओं का चयन एवं प्रकाशन उत्तम तरीके से किया गया है । वैज्ञानिक रचनाओं का हिन्दी भाषा में प्रकाशन अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जो विज्ञान के क्षेत्र में राजभाषा हिन्दी की संपदा को बढ़ाने के लिए आवश्यक है। पत्रिका के कुशल संपादन के लिये सभी संबंधित कार्मिकों को बधाई । मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि कालान्तर में यह पत्रिका राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में नये आयाम स्थापित करेगी ।

डॉ.(श्रीमती) स्वाति चड्ढा/ Dr.(Mrs)Swati Chadha
वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी / Senior Hindi Officer
एवं
सचिव - न.रा.का.स.-2 , पुणे / Secretary- Tolic-2, Pune
सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला/ CSIR- National Chemical Laboratory
डॉ. होमी भाभा मार्ग, पाषाण,पुणे - 411008 / Dr. Homi Bhabha Road, Pashan, Pune - 411008
दूरभाष (कार्यालय)/ Telephone(Office)-020-25902130 / 020-25902108

From: Director NCL <director.ncl@csir.res.in>
To: "SWATI CHADHA"<s.chadha@csir.res.in>
Date: Fri, 19 Jun 2026 10:38:01 +0530
Subject: Fwd: भौतिक अनुसंधान प���योगशाला (पी.आर.एल.) की गृह-पत्रिका "वि��□□म" के जनवरी 2026 का अंक 17

for information and necessary action सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए

****

डॉ. आशीष लेले / Dr. Ashish Lele
निदेशक/Director
सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला /CSIR- National Chemical Laboratory
पुणे/ Pune 411 008, भारत/India
दूरभाष (कार्यालय) / Phone (Off) +91 20 25902600
फैक्स/Fax: +91 20 25902601
ईमेल/ Email: ak.lele.ncl@csir.res.in ; director.ncl@csir.res.in
भ्रमणध्वनी/Mobile: +91-9960065550

For including in next Issue: भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.) की गृह-पत्रिका "विक्रम" के जनवरी 2026 का अंक 17

Date: 05/12/2026-14:46:36 (02:46:36 PM IST)
From: Rumkee Dutta
To: Vikram Patrika - PRL
Attachments: Forwarded Message (16 KB)

Text (4 KB)

----- Forwarded message from Rashmi Thakur <rashmi_thakur@istrac.gov.in> -----
Date: Tue, 12 May 2026 04:39:55 +0000
From: Rashmi Thakur <rashmi_thakur@istrac.gov.in>
Subject: Re: भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.) की गृह-पत्रिका "विक्रम" के जनवरी 2026 का अंक 17
To: rumkee@prl.res.in

प्रिय रुमकी,

इस मेल द्वारा पी.आर.एल की गृह- पत्रिका विक्रम के अंक 17 की पावती सूचित की जाती है। पत्रिका के सफल संपादन एवं प्रकाशन के लिए पूरी टीम को अभिनंदन।

पत्रिका में वैज्ञानिक विषयों पर लेखों के साथ-साथ अनुवाद संबंधी विभिन्न टूलों एवं सॉफ्टवेयरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। पत्रिका के माध्यम से पी.आर.एल में होने वाली विविध गतिविधियों के बारे में भी पता चला।

इस पत्रिका के आगामी अंकों के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

सादर / Regards,

रश्मि ठाकुर / Rashmi Thakur

सहायक निदेशक (रा.भा.)/ Assistant Director (O.L.)

इस्ट्रैक , बेंगलूरु / ISTRAC , Bengaluru

दूरभाष संख्या / Telephone Number 080 - 28094025

मोबाइल संख्या / Mobile No. 9740158253

ಭಾರತೀಯ ಬಾಹ್ಯಾಕಾಶ ಸಂಶೋಧನಾ ಸಂಸ್ಥೆ
ಬಾಹ್ಯಾಕಾಶ ಇಲಾಖೆ
ಭಾರತ ಸರ್ಕಾರ
ಅಂತರಿಕ್ಷ ಭವನ
ನ್ಯೂ ಬಿ ಇ ಎಲ್ ರೋಡ್, ಬೆಂಗಳೂರು - 560 094.
ದೂರವಾಣಿ : +91-80-2217 2229

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन
अन्तरिक्ष विभाग,
भारत सरकार
अन्तरिक्ष भवन,
न्यू बी ई एल रोड, बेंगलूरु – 560 094. भारत.
दूरभाष : +91-80-2217 2229

Indian Space Research Organisation
Department of Space
Government of India
Antariksh Bhavan
New BEL Road, Bengaluru - 560 094
Tel(Off) : +91-80-2217 2229

सं. 8/1/2/2026-हिं. 12 मई, 2026

सेवा में,
श्री सोम कुमार शर्मा
प्रोफेसर एवं संपादक
गृह पत्रिका 'विक्रम'
भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.),
अहमदाबाद- 380 009

महोदय,

विषय : भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पी.आर.एल.), अहमदाबाद की गृह पत्रिका 'विक्रम' की पावती के संबंध में।

*****

दिनांक 06.05.2026 के ई-मेल के माध्यम से पी.आर.एल., अहमदाबाद की गृह पत्रिका 'विक्रम' की डिजिटल प्रति विभाग में प्राप्त हुई है। पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई।

'विक्रम' पत्रिका में संकलित सभी साहित्यिक, सामाजिक, वैज्ञानिक/तकनीकी लेख एवं राजभाषा संबंधित गतिविधियाँ प्रशंसनीय हैं। पत्रिका में, तकनीकी तथा विज्ञान विषयों से संबंधित लेख उल्लेखनीय हैं, जिनमें हिंदी भाषा सरल एवं सुबोध रूप से मुखरित हुई है। साथ ही, पत्रिका में हिंदी कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, संगोष्ठियों, 'पर्व' व्याख्यानमालाओं आदि से संबंधित रिपोर्टें प्रभावी रूप से प्रस्तुत की गई हैं। विशेष रूप से, "मेरे गिरिडीह की छठः दादी की आस्था, मेरा बचपन" लेख उल्लेखनीय लगा।

आशा है कि 'विक्रम' पत्रिका के आगामी अंक पाठकों के ज्ञानार्जन में मील का पत्थर सिद्ध होंगे। इसी शुभकामना के साथ,

सादर,

भवदीय,

(एम. जी. सोम शेखरन नायर)
संयुक्त निदेशक (रा.भा.)

प्रतिलिपिः
संयुक्त सचिव (कार्मिक), अंतरिक्ष विभाग

ಭಾರತೀಯ ಬಾಹ್ಯಾಕಾಶ ಸಂಶೋಧನಾ ಸಂಸ್ಥೆ / *भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन / Indian Space Research Organisation*

भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र
तिरुवनंतपुरम-695 022
केरल, भारत
फोन : (0471) 2564021
फैक्स : (0471) 2564022

सत्यमेव जयते

Government of India
Department of Space
Vikram Sarabhai Space Centre
Thiruvananthapuram-695 022
Kerala, INDIA
Telephone : (0471) 2564021
Fax : (0471) 2564022
ई-मेल/e-mail: Rajbhasha@vssc.gov.in

सं./वीएसएससी/हि.अ./18/2026

हिंदी अनुभाग
01 जुलाई, 2026

सेवा में

श्री सोम कुमार शर्मा
प्रोफेसर एवं संपादक, विक्रम पत्रिका
पीआरएल
अहमदाबाद।

विषयः पी.आर.एल की हिंदी पत्रिका "विक्रम" के जनवरी-2026 अंक-17 की प्राप्ति।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रेषित हिंदी गृह पत्रिका "विक्रम" के 17वें अंक का डिजिटल संस्करण इस कार्यालय को प्राप्त हुआ। हमेशा की तरह इस बार भी यह विशेषांक विविध लेख, कविताएं आदि समेटे हुए है। राजभाषा समारोह तथा विभिन्न कार्यक्रमों की सचित्र झलकियों के साथ पत्रिका आकर्षक बन पड़ी है। चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल.., संवाद AI, अंतरिक्ष मौसम और उसके प्रभावों.., क्या खोया क्या पाया, एक दिवाना पत्थर जैसी लेख एवं कविता काफी रोचक एवं ज्ञानवर्धक हैं। पत्रिका के प्रकाशन हेतु जो श्रम किया गया है उसके लिए संपादक मंडल निश्चय ही प्रशंसा के पात्र हैं। पत्रिका के निरंतर प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं।

सादर।

भवदीया,

(लक्ष्मी जी)
सहा. निदेशक (रा.भा)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन Indian Space Research Organisation

---

दूरभाष/ Phones : 0135-2787004 to 2787007
फैक्स/ Fax : 0091-135 2787161 & 2787128

सभी पत्रादि निदेशक को ही सम्बोधित होने चाहिये, किसी वैज्ञानिक/अधिकारी के नाम से नहीं।
All correspondence should be addressed to Director and not to any Scientist/Officer by name.

IRDE-DRDO

भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय
रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन
यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान
रायपुर रोड, देहरादून – 248008

GOVT. OF INDIA, MINISTRY OF DEFENCE
DEFENCE R & D ORGANISATION
INSTRUMENTS R & D ESTABLISHMENT
RAIPUR ROAD, DEHRADUN – 248008

पत्र सं. यंअविसं/राभा/04/पु.पत्रिका/2026-2027

दिनांक 15 जुलाई, 2026

सेवा में,
निदेशक
भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009

विषय - भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की गृह पत्रिका 'विक्रम' के जनवरी 2026, अंक-17 की पावती

संदर्भ - आपके द्वारा प्रेषित ईमेल दिनांक 19 जून 2026

महोदय

सन्दर्भित ईमेल के माध्यम से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद द्वारा प्रकाशित हिन्दी गृह पत्रिका 'विक्रम' के जनवरी 2026, अंक-17 की ई-प्रति प्राप्त हुई।

पत्रिका में प्रकाशित सभी वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेख, कविताएँ, संस्थान तथा राजभाषा संबंधी गतिविधियों का संकलन रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक हैं। राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की दृष्टि से स्तरीय हिन्दी पत्रिका के प्रकाशन हेतु राजभाषा कार्यान्वयन समिति का प्रयास प्रशंसनीय है।

पत्रिका प्रेषण हेतु धन्यवाद।

भवदीय

(मधुसूदन उपाध्याय)
तकनीकी अधिकारी-सी
समूह प्रमुख राजभाषा एवं नामित राजभाषा अधिकारी
कृते निदेशक

कार्यभार ग्रहण/कार्यमुक्त होने वाले कर्मचारियों का विवरण				
शामिल होने वालों का विवरण (01.01.2026 से 30.06.2026 तक)				
क्र. सं.	**वेतन क्रमांक**	**नाम**	**पदनाम**	**जॉइनिंग की तिथि**
1	PR09670	श्री अबिन बाबू	सहायक	23.01.2026
2	PR02069	डॉ अभिषेक महापात्र	सहायक प्रोफेसर	06.04.2026
3	PR09671	सुश्री श्रेया लोकेंद्र सिंह आर्य	जूनियर निजी सहायक	13.04.2026
4	PR09672	श्री जनगराज एस.	सहायक	06.05.2026
5	PR07877	श्री खैरकर वैभव दिलीप	तकनीकी सहायक (सीएस/आईटी)	08.06.2026

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विवरण (01.01.2026 से 30.06.2026 तक)				
क्र. सं.	**वेतन क्रमांक**	**नाम**	**पदनाम**	**कार्यमुक्त की तिथि**
1	PR09416	श्री आर.के.जरोली	वरिष्ठ परियोजना सहायक	23.01.2026
2	PR01222	डॉ श्रीमती श्रुबबती गोस्वामी	उत्कृष्ट प्रोफेसर	31.03.2026
3	PR09603	श्री के.के. शशिकुमार	प्रधान, कार्मिक एवं सामान्य प्रशासन	31.05.2026

इस्तीफा देने वालों का विवरण (01.01.2026 से 30.06.2026 तक)				
क्र. सं.	**वेतन क्रमांक**	**नाम**	**पदनाम**	**कार्यमुक्त की तिथि**
1	PR01343	श्री बी.एस. भरत सैगुहान	वैज्ञानिक/इंजीनियर-एसडी	09.01.2026
2	PR02063	डॉ तन्मय चक्रवर्ती	सहायक प्रोफेसर	20.02.2026

पेंशनभोगियों/सेवानिवृत्तों की मृत्यु का विवरण (01.01.2026 से 30.06.2026 तक)				
क्र. सं.	**वेतन क्रमांक**	**नाम**	**पदनाम**	**मृत्यु की तिथि**
1	PR09086	स्वर्गीय श्री पी.के. पिल्लई	निजी सहायक-सी	21.01.2026
2	PR08086	स्वर्गीय श्री जी.एन. पटेल	तकनीशियन-बी	03.03.2026
3	PR07114	स्वर्गीय श्री के.एस.बी. मनियन	इंजीनियर-एसई	31.03.2026

पी.आर.एल. में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

पी.आर.एल मुख्य परिसर, अहमदाबाद

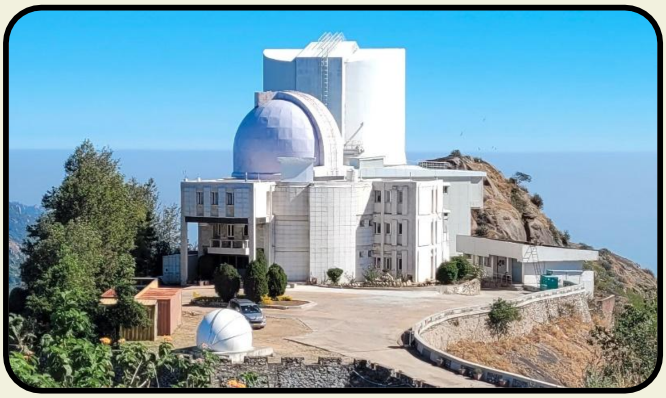

पी.आर.एल इन्फ्रारेड वेधशाला, गुरुशिखर, माउंट आबू

पी.आर.एल. थलतेज परिसर, अहमदाबाद

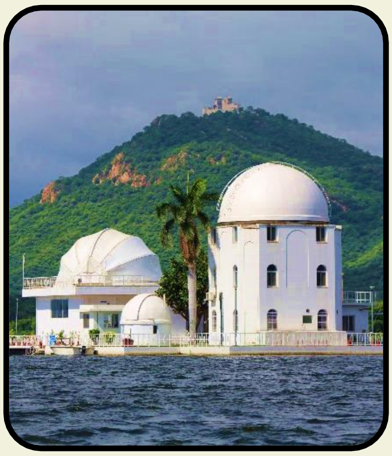

पी.आर.एल सौर वेधशाला, उदयपुर

भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
(भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग की यूनिट)
नवरंगपुरा, अहमदाबाद - 380009
दूरभाष: (079) 26314000
फैक्स: (079) 26314900
ई - मेल: director@prl.res.in
https://www.prl.res.in

website-hindi

website-english

Physical Research Laboratory
(A unit of Dept. of Space, Govt. of India)
Navrangpura, Ahmedabad - 380009
Phone: (079) 26314000
Fax: (079) 26314900
E-Mail: director@prl.res.in
https://www.prl.res.in

https://www.facebook.com/PhysicalResearchLaboratory
https://twitter.com/PRLAhmedabad
https://www.youtube.com/c/PRLAhmedabad_webinars
https://www.linkedin.com/in/prl-ahmedabad-89600122b/
https://www.instagram.com/prl1947/
https://bsky.app/profile/prl1947.bsky.social/